ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ
GURU NANAK DEV UNIVERSITY, AMRITSAR

(Established by the State Legislature Act No. 21 of 1969)
Accredited at 'A++' grade level by NAAC and awarded
"University with Potential for Excellence" status by UGC.

No : 14625-14770 /ਕਾਲਜਾਂ
Date : 19/10/2022

ਇਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ
ਕਾਲਜਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਸਾਹਿਬਾਨ।

ਸ੍ਰੀਮਾਨ ਜੀ/ਮੈਡਮ,

ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਐਨ.ਸੀ.ਟੀ.ਈ. ਵੱਲੋਂ **ਐਨ.ਸੀ.ਟੀ.ਈ. ਰੈਗੂਲੇਸ਼ਨਜ਼-2014** ਤਹਿਤ ਜਾਰੀ ਰੈਗੂਲੇਸ਼ਨਜ਼/ਨਾਰਮਜ਼ ਵਿੱਚ ਜੋ ਸੋਧਾਂ/ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ, ਉਹਨਾਂ ਸਬੰਧੀ ਜਾਰੀ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹਨ :-

ਲੜੀ ਨੰ:	ਐਨ.ਸੀ.ਟੀ.ਈ. ਰੈਗੂਲੇਸ਼ਨਜ਼-2014 ਵਿੱਚ ਮੌਜੂਦ ਰੈਗੂਲੇਸ਼ਨਜ਼/ਨਾਰਮਜ਼ ਜਿੰਨ੍ਹਾਂ ਸਬੰਧੀ ਸੋਧਾਂ/ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ	ਸੋਧਾਂ/ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਸਬੰਧੀ ਜਾਰੀ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ
1.	ਬੀ.ਏ.ਬੀ.ਐਡ./ਬੀ.ਐਸ.ਸੀ.ਬੀ.ਐਡ. ਕੋਰਸ (Appendix-13) ਸਬੰਧੀ ।	ਐਨ.ਸੀ.ਟੀ.ਈ. ਵੱਲੋਂ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਨੰ: F.No. NCTE-Regl011/80/2018-MS(Regulation)-HQ dated 22.10.2021 ਰਾਹੀਂ ਬੀ.ਏ.ਬੀ.ਐਡ./ਬੀ.ਐਸ.ਸੀ. ਬੀ.ਐਡ. ਕੋਰਸ ਨੂੰ ਸੈਸ਼ਨ 2023-24 ਤੋਂ ਹਟਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਸੈਸ਼ਨ 2023-24 ਤੋਂ Integrated Teacher Education Programme (ITEP) ਨੂੰ ਸ਼ਾਮਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।
		ਇਸ ਸਮੇਂ ਜਿੰਨ੍ਹਾਂ ਕਾਲਜਾਂ ਵਿੱਚ B.A.B.Ed/B.Sc.B.Ed ਕੋਰਸ ਚੱਲ ਰਹੇ ਹਨ, ਉਹਨਾਂ ਕਾਲਜਾਂ ਸਬੰਧੀ ਐਨ.ਸੀ.ਟੀ.ਈ. ਵੱਲੋਂ ਲਿਆ ਗਿਆ ਫੈਸਲਾ ਐਨ.ਸੀ.ਟੀ.ਈ. ਦੇ ਪੱਤਰ ਨੰ: F.No. NCTE-CDN011(11)/5/2021-CDN-HQ ਮਿਤੀ 27.04.2022 ਵਿੱਚ ਲੜੀ ਨੰ: 9 'I' 'ਤੇ ਮੌਜੂਦ ਹੈ।
2.	ਬੀ.ਐਡ./ਐਮ.ਐਡ. ਕੋਰਸ (Appendix-15) ਸਬੰਧੀ।	ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਐਨ.ਸੀ.ਟੀ.ਈ. ਵੱਲੋਂ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਨੰ: F.No. NCTE-Regl022/8/2020-US(Regulation)-HQ dated 13.10.2021 ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।
3.	ਐਨ.ਸੀ.ਟੀ.ਈ. ਰੈਗੂਲੇਸ਼ਨਜ਼ 2014 ਅਧੀਨ ਰੈਗੂਲੇਸ਼ਨ-2,3,5,6,7,8 ਸਬੰਧੀ।	ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਐਨ.ਸੀ.ਟੀ.ਈ. ਵੱਲੋਂ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਨੰ: F.No. NCTE-Regl012/13/2021- Reg. Sec. –HQ. dated 04.05.2022 ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਉਪਰੋਕਤ ਲੜੀ ਨੰ: 1 ਤੋਂ 3 ਤੱਕ ਦਰਸਾਈਆਂ ਸੋਧਾਂ/ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਸਬੰਧੀ ਜਾਰੀ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ/ਫੈਸਲੇ, ਸਿੰਡੀਕੇਟ ਦੀ ਇਕੱਤਰਤਾ ਮਿਤੀ 10.10.2022 ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਦੇ ਪੈਰਾ ਨੰ: 5.14 ਰਾਹੀਂ ਪ੍ਰਵਾਨ ਕਰ ਲਏ ਗਏ ਹਨ। ਸਿੰਡੀਕੇਟ ਦੇ ਇਸ ਫੈਸਲੇ ਅਤੇ ਉਪਰੋਕਤ ਲੜੀ ਨੰ: 1 ਤੋਂ 3 ਤੱਕ ਦਰਸਾਏ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨਾਂ ਦੀਆਂ ਕਾਪੀਆਂ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੀ website www.gndu.ac.in ਤੇ **E-services** ਵਿੱਚ ਮੌਜੂਦ ਲਿੰਕ **College Development Council Portal** ਅਧੀਨ ਆਪ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਤੇ ਇਸ ਅਨੁਸਾਰ ਲੋੜੀਂਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਹਿੱਤ ਅਪਲੋਡ ਕਰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ, ਜੀ।

ਵਿਸ਼ਵਾਸਪਾਤਰ

19.10.22
ਉਪ ਰਜਿਸਟਰਾਰ (ਕਾਲਜਾਂ)
ਵਾਸਤੇ ਡੀਨ, ਕਾਲਜ ਵਿਕਾਸ ਕੌਂਸਲ

Phone : Off. EPABX 2258802-09, Extn. 3195, 3196 & 3197; Tele/Fax: 0183 – 2257675; Email: deancolleges@gndu.ac.in

ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ

ਸਿੰਡੀਕੇਟ ਦੀ ਇਕੱਤਰਤਾ ਮਿਤੀ 10.10.2022 ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਦੇ ਪੈਰਾ ਨੰ: 5.14 ਦਾ ਉਤਾਰਾ।

Item No. 5.14

Title	Amendments in NCTE (Recognition Norms and Procedure) Regulations 2014.
Background	NIL
Previous decision of the Syndicate	NIL

Points under consideration:

To consider the amendments in NCTE (Recognition Norms and Procedure) Regulations 2014, as per **Appendix**.

Approved as per Appendix.

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-26102021-230728
CG-DL-E-26102021-230728

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 509] नई दिल्ली, मंगलवार, अक्तूबर 26, 2021/कार्तिक 4, 1943
No. 509] NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 26, 2021/KARTIKA 4, 1943

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 अक्तूबर 2021

फा.सं.एनसीटीई–रेगु011/80/2018–एमएस(विनियमन)–मुख्यालय.–राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद अधिनियम, 1993 (1993 का 73वां) की धारा 32 की उप–खंड (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद एतद्द्वारा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (मान्यता, मानदंड तथा क्रियाविधि) विनियम, 2014 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्: –

1. **लघु शीर्ष और प्रवर्तन** – (1) ये विनियम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (मान्यता, मानदंड तथा क्रियाविधि) संशोधित विनियम, 2021 कहलाएंगे।

2. ये विनियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

3. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (मान्यता, मानदंड तथा क्रियाविधि) विनियम, 2014 (यहां प्रमुख विनियम के रूप में संदर्भित) में खंड (ग) के बाद निम्नलिखित खंड जोड़े जाएंगे, अर्थात्: –

''(गक) ''बहु–विषयक संस्थान'' का अर्थ एक विधिवत मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षा संस्थान है जिसमें अध्ययन के कई अलग–अलग विषय शामिल हैं / एक से अधिक विषयों को सम्मिलित करना या शामिल करना हैं। बहु–विषयक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों का उद्देश्य शिक्षा विभाग स्थापित करना होगा, जो शिक्षा के विभिन्न पहलुओं में अत्याधुनिक अनुसंधान करने के अलावा, अन्य विभागों या स्वतंत्र कला या मानविकी या सामाजिक विज्ञान या वाणिज्य या गणित के क्षेत्र के सहयोग से एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम भी चलाएगा, एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम की मान्यता के लिए आवेदन करते समय, जैसा भी मामला हो।

(गख) ''एनईपी 2020'' का अर्थ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 है जिसे 29 जुलाई 2020 को भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था।

4. मूल विनियम में, विनियम 9 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात : –

"9. **मानदंड और मानक**– तालिका में दिखाए गए निम्नलिखित कार्यक्रमों को संचालित करने वाले प्रत्येक संस्थान को परिशिष्ट 1 से परिशिष्ट 15 में निर्दिष्ट विभिन्न अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों के मानदंडों और मानकों का पालन करना होगा :

क्र. सं.	मानदंड और मानक	परिशिष्ट सं.
1.	प्रारंभिक बाल शिक्षा कार्यक्रम में डिप्लोमा जिससे स्कूल–पूर्व शिक्षा में डिप्लोमा (डीपीएसई) प्राप्त होता है।	परिशिष्ट–1
2.	प्रारंभिक अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम जिससे प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा (डी.ई.एल.एड.) प्राप्त होता है।	परिशिष्ट–2
3.	प्रारंभिक अध्यापक शिक्षा स्नातक कार्यक्रम से प्रारंभिक शिक्षा स्नातक (बी.ई.एल.एड.) की उपाधि प्राप्त होती है।	परिशिष्ट–3
4.	शिक्षा स्नातक कार्यक्रम जिससे शिक्षा स्नातक (बी.एड.) की उपाधि प्राप्त होती है।	परिशिष्ट–4
5.	शिक्षा स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जिससे शिक्षा स्नातकोत्तर (एम.एड.) की उपाधि प्राप्त होती है।	परिशिष्ट 5
6.	शारीरिक शिक्षा में डिप्लोमा, कार्यक्रम जिससे शारीरिक शिक्षा में डिप्लोमा (डी.पी.एड.) का प्राप्त होता है।	परिशिष्ट –6
7.	शारीरिक शिक्षा में स्नातक कार्यक्रम जिससे शारीरिक शिक्षा स्नातक में (बी.पी.एड.) की उपाधि प्राप्त होती है।	परिशिष्ट–7
8.	शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जिससे शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.पी. एड.) की उपाधि प्राप्त होती है।	परिशिष्ट–8
9.	मुक्त तथा दूरवर्ती शिक्षण प्रणाली के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा कार्यक्रम जिससे प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा (डी.ईएल.एड) प्राप्त होता है।	परिशिष्ट–9
10.	मुक्त तथा दूरवर्ती शिक्षण प्रणाली के द्वारा शिक्षा स्नातक कार्यक्रम जिससे शिक्षा स्नातक (बी.एड.) की उपाधि प्राप्त होती है।	परिशिष्ट 10
11.	कला शिक्षा में डिप्लोमा (दृश्य कला) कार्यक्रम, जिससे कला शिक्षा में डिप्लोमा (दृश्य कला) प्राप्त होता हैं।	परिशिष्ट–11
12.	कला शिक्षा में डिप्लोमा (प्रदर्शन कला) कार्यक्रम, जिससे कला शिक्षा में डिप्लोमा (प्रदर्शन कला) प्राप्त होता है।	परिशिष्ट–12
13.	शिक्षा स्नातक कार्यक्रम (अंशकालिक), जिससे शिक्षा स्नातक (बी.एड) की उपाधि प्राप्त होती है।	परिशिष्ट–13
14.	बी.एड. एम.एड (3 साल का एकीकृत) कार्यक्रम, जिससे बी.एड.एम.एड. (एकीकृत) की उपाधि प्राप्त होती है।	परिशिष्ट–14
15.	एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी)	परिशिष्ट–15

"

5. मूल विनियमों में,–

(i) परिशिष्ट–13 को हटाया जाएगा;

(ii) परिशिष्ट 14 और 15 को परिशिष्ट–13 और परिशिष्ट–14 के रूप में पुनर्संख्यांकित किया जाएगा और परिशिष्ट–13 और परिशिष्ट 14 के बाद इस प्रकार पुनःसंख्यांकित किया जाएगा, अर्थातः –

''परिशिष्ट–15

4 वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) के लिए मानदंड और मानक

1. प्रस्तावनाः

1.1 अध्यापक को शिक्षा प्रणाली में मूलभूत सुधारों के केंद्र में होना चाहिए। आईटीईपी सीनियर सेकेंडरी (+2) या इसके समकक्ष परीक्षा के बाद या स्कूली शिक्षा के एनईपी 2020 संरचना 5+3+3+4 के अनुसार संचालित किया जाएगा। यह शिक्षकों को सशक्त बनाने और यथासंभव प्रभावी ढंग से अपना काम करने में उनकी मदद करने के लिए सब कुछ एकीकृत करता है। इसके अलावा, विषयगत तथा व्यावसायिक ज्ञान के एकीकरण से (5+3+3+4) पर शिक्षण व्यवसाय के लिए उत्कृष्ट और प्रतिभाशाली लोगों की भर्ती की आवश्यकता की पूर्ति होती है।

1.2 आईटीईपी कार्यक्रम में एनईपी 2020 के तहत स्कूली शिक्षा का शैक्षणिक और पाठ्यचर्या पुनर्गठन परिकल्पना के अनुसार अध्यापकों को तैयार करने पर जोर दिया गया है। देश में स्कूली शिक्षा प्रणाली के लिए अध्यापकों को तैयार करने के अलावा, विभिन्न विषयों में प्राप्त विषयगत ज्ञान से छात्र–अध्यापकों को उनके विशिष्ट विषय (विषयों) में गहन ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिलेगी जो उस विषयगत धारा में उच्च अध्ययन में प्रवेश लेने और उच्च व्यावसायिक योग्यता के लिए सुनिश्चित करेगा।

1.3 आईटीईपी का उद्देश्य छात्र–अध्यापकों को एकीकृत तरीके से व्यावसायिक ज्ञान के साथ विषयगत ज्ञान प्रदान करने का दोहरा उद्देश्य हैं। चूंकि, यह कार्यक्रम स्नातक उपाधि (बी.एससी./बी.ए./बी.कॉम.) और अध्यापक शिक्षा डिग्री के समकक्ष होगा, इसलिए कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में दोनों उपाधियों के लिए आवश्यक विभिन्न पाठ्यक्रम और गतिविधियां शामिल हैं।

1.4 बहु–विषयक उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा प्रस्तावित आईटीईपी (इसके बाद 'एचईआई' के रूप में संदर्भित) स्कूल अध्यापकों के लिए न्यूनतम उपाधि योग्यता होगी। आईटीईपी एक दोहरी प्रमुख समग्र स्नातक उपाधि होगी। यह कार्यक्रम अध्यापकों को पुनर्संचना के अनुसार स्कूली शिक्षा की नई पाठ्यचर्या और शैक्षणिक संरचना के लिए तैयार करेगा, जिससे वे माध्यमिक 5+3+3+4 डिजाइन द्वारा निर्देशित मौलिक, प्रारंभिक, मध्य और माध्यमिक जैसे चरणों के अनुरूप, उनके विकास के विभिन्न चरणों में शिक्षार्थियों की विकास आवश्यकताओं और हितों के लिए उत्तरदायी और प्रासंगिक बन सकेंगें।

1.5 आईटीईपी बहु और अंतर–विषयगत शैक्षणिक वातावरण में होगा और पायलट मोड में शुरू करके चरणबद्ध तरीके से इसको कार्यान्वित किया जाएगा। कार्यक्रम विश्वविद्यालय/एचईआई के अन्य विभागों के मौजूदा भौतिक संसाधनों को साझा करने की अनुमति देगा। आईटीईपी का स्वामित्व बहु–विषयक एचईआई के शिक्षा विभाग के पास होगा। सभी एकल अध्यापक शिक्षा संस्थानों (इसके बाद 'टीईआई' के रूप में संदर्भित) को आईटीईपी के संचालन के लिए पात्र बनने हेतु 2030 तक बहु–विषयक संस्थानों में परिवर्तित होने की आवश्यकता होगी।

1.6 एचईआई द्वारा शैक्षणिक वर्ष पूरा होने के 1 (एक) महीने के भीतर एनसीटीई द्वारा निर्धारित आईटीईपी के लिए विशेष रूप से तैयार प्रारूप, वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। एनसीटीई द्वारा तैयार एक उपयुक्त प्रोफार्मा के आधार पर निरीक्षण भी किया जाएगा, जिससें मान्यता के विस्तार/वापसी का निर्धारण तैयार हो सकेगा।

1.7 मूल विनियमों के विनियम 5 के उप–विनियम (5) और (6) में किए गए प्रावधान के अनुसार आवेदन आमंत्रित करने और उनपर कारवाई करने हेतु निर्धारित समय सीमा का पालन किया जाएगा। यदि आवश्यक समझा जाता है, तो विनियम 5 के उप–विनियम (5) और (6) के तहत दी गई समय सीमा में उचित विचार करने और केंद्र सरकार का अनुमोदन प्राप्त करने के बाद छूट दी जा सकती है।

1.8 आईटीईपी को बहु–विषयक एचइआईएस/टीईआई में पायलटिंग से शुरू करके चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित किया जाएगा और इस प्रकार एनईपी 2020 की समय सीमा के अनुसार देशव्यापी विस्तार किया जाएगा।

1.9 एनईपी 2020 के साथ संबद्ध यूजीसी द्वारा राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता संरचना में अंतिम रूप से निर्धारित आईटीईपी में निकास प्रणाली लागू होगी।

2. अवधि और कार्य दिवसः

2.1 अवधिः

आईटीईपी चार शैक्षणिक वर्षों का होगा जिसमें इंटर्नशिप (क्षेत्र–आधारित अनुभव और अभ्यास शिक्षण) सहित आठ सेमेस्टर शामिल होंगे। कोई भी छात्र–अध्यापक जो किसी भी सेमेस्टर को पूरा करने में असमर्थ रहता है या किसी सेमेस्टर की अंतिम

परीक्षा में शामिल नहीं हो सका हो तो उसे कार्यक्रम में प्रवेश की तारीख से अधिकतम छः साल की अवधि के भीतर कार्यक्रम पूरा करने की अनुमति दी जाएगी।

2.2 कार्य दिवसः

(क) एक सेमेस्टर में, प्रवेश की अवधि को छोड़कर, लेकिन परीक्षाओं की अवधि सहित कम से कम 125 (एक सौ पच्चीस) कार्य दिवस होंगे।

(ख) कुल काम के घंटे कम से कम 40 (चालीस) घंटे होंगे जो एक सप्ताह के अन्तर्गत होंगे।

(ग) छात्र–अध्यापकों की न्यूनतम उपस्थिति सभी पाठ्यक्रमों में अस्सी प्रतिशत और क्षेत्र–आधारित अनुभव या स्कूल इंटर्नशिप या शिक्षण अभ्यास के लिए अलग से नब्बे प्रतिशत होनी चाहिए।

3. दाखिला क्षमता, पात्रता, प्रवेश प्रक्रिया और शुल्कः

3.1 दाखिला क्षमता :

क) मूल इकाई के कार्यक्रम में प्रत्येक में पचास छात्र शामिल होंगे।

ख) संस्थान को कला वर्ग या विज्ञान वर्ग या वाणिज्य वर्ग में से एक या अधिक वर्ग चुनने की अनुमति होगी। उपयुक्त होने पर संस्थान को एक या अधिक इकाइयों को चुनने की भी अनुमति दी जाएगी, यदि संस्थान इसके लिए पात्र है।

3.2 पात्रताः

क) किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सेकेंडरी या प्लस टू परीक्षा या इसके समकक्ष (5+3+3+4 पद्धति के तहत) में न्यूनतम पचास प्रतिशत अंक वाले अभ्यर्थी प्रवेश के लिए पात्र हैं।

ख) सीनियर सेकेंडरी या प्लस टू परीक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा (5+3+3+4 पद्धति के तहत) और अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग या दिव्यांग व्यक्तियों या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और कोई भी अन्य वर्ग के लिए आरक्षण में अंकों के प्रतिशत में छूट केंद्र सरकार या राज्य सरकार या केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के नियमों के अनुसार होगी, जहां लागू हो।

3.3 प्रवेश प्रक्रियाः

कं) आईटीईपी में प्रवेश राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (इसके बाद एनटीए के रूप में संदर्भित) द्वारा आयोजित एक उपयुक्त विषय और योग्यता परीक्षा के माध्यम से होगा और देश की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को ध्यान में रखते हुए मानकीकृत किया जाएगा।

ख) एनईपी 2020 की संस्तुतियों के तहत 4 वर्षीय आईटीईपी में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा राष्ट्रीय सामान्य प्रवेश परिक्षा (बाद में 'एनसीईटी' के रूप में संदर्भित) नामक एक राष्ट्रव्यापी प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा का तरीका ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित/बहुभाषी पद्धति में (बाद में 'सीबीटी' के रूप में संदर्भित) और इसका स्कोर प्रवेश सुरक्षित करने के लिए योग्यता–आधारित चयन के लिए अभयर्थी के सापेक्ष योग्यता स्तर को प्रदर्शित करेगा। एनटीए द्वारा स्कोरकार्ड तैयार किया जाएगा और प्रवेश केंद्रीकृत ऑनलाइन परामर्श के माध्यम से किया जाएगा।

ग) कार्यक्रम में प्रवेश के समय, अभ्यर्थी को विषयों/विषयवर्गो (बी.ए. बी.एड./बी.एससी. बी.एड./बी.कॉम. बी.एड.) का संकेत देना होगा। विषय के चयन में कोई भी परिवर्तन कार्यक्रम के प्रारंभ होने की तिथि से एक माह के भीतर किया जाएगा।

3.4 शुल्कः

संस्थान केवल वही शुल्क लेगा जो संबद्ध निकाय या राज्य सरकार या संबंधित विश्वविद्यालयों द्वारा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (शिक्षण शुल्क के विनियमन के लिए दिशानिर्देश और गैर–सहायता प्राप्त शिक्षक शिक्षा संस्थानों द्वारा प्रभारित अन्य शुल्क) के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जायेगा। विनियम , 2002 और छात्रों से अंशदान, कैपिटेशन शुल्क आदि नहीं लिया जाएगा।

4. पाठ्यचर्या और कार्यक्रम कार्यन्वयनः

4.1 पाठ्यक्रम और कार्यक्रम का कार्यान्वयन एनसीटीई द्वारा विकसित मॉडल/सूचनात्मक पाठ्यचर्या पर आधारित होगा। हालांकि, इस कार्यक्रम का संचालन करने वाले विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार मॉडल/सूचनात्मक पाठ्यचर्या को अनुकूलित या संशोधित करते समय 30 प्रतिशत नम्यता की अनुमति होगी। तथापि, एनसीटीई

के पास यह अधिकार सुरक्षित है कि यदि आवश्यक समझे तो किसी भी स्तर पर इस प्रकार अनुकूलित या संशोधित पाठ्यचर्या में किसी भी संशोधन को वैधित किया जा सकता है। पाठ्यचर्या संरचना और महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम को 90 (नब्बे) दिनों की अवधि के भीतर राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर डाल दिया जाएगा, ताकि मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षा संस्थान (एच ई आई)/सम्बद्धकारी संस्था उसको उपयोग में ला सकें।

4.2 एचईआई को आईटीईपी के कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करना होगाः

(क) स्कूल कैलेंडर तैयार करना जिसमें स्कूल इंटर्नशिप और स्कूल से संबंधित अन्य अभ्यास स्कूल के अकादमिक कैलेंडर के साथ समकालिक किए जाते हैं।

(ख) 18 सप्ताह की इंटर्नशिप के स्कूल की सम्बद्धता के लिए आवश्यक अन्य व्यावहारिक गतिविधियों पर्याप्त स्कूलों के साथ, की व्यवस्था करना। ये स्कूल प्राथमिकता से सरकारी स्कूल होंगे और अध्ययन के पूरे कार्यक्रम में सभी व्यावहारिक गतिविधियों और संबंधित कार्यों के लिए बुनियादी संपर्क बिंदु होंगे। विभिन्न एचईआई को स्कूलों के आवंटन के लिए राज्य शिक्षा प्रशासन को शामिल किया जाना चाहिए।

(ग) क्षेत्र के स्कूलों और एचईआई के बीच एक समन्वय तंत्र सुनिश्चित करना। सरकार को स्कूल कैलेंडर के अनुरूप विभिन्न स्कूलों में छात्र–अध्यापकों का तर्कसंगत और उचित वितरण सुनिश्चित करना चाहिए ताकि स्कूल सहायता और सहयोग प्रदान किया जा सके।

(घ) स्कूल इंटर्नशिप से संबंधित प्रक्रियाओं में, इंटर्नशिप स्कूलों के स्कूली अध्यापकों को शामिल करने के लिए संस्थागत तंत्र विकसित करना। इंटर्नशिप कार्यक्रम की शुरुआत के साथ एक अभिविन्यास की योजना बनाई जा सकती है, जहां संस्थान/कॉलेज/विभाग के संकाय स्कूल अध्यापकों (संरक्षक अध्यापकों) के साथ विचार–विमर्श करते हैं।

(ड़) कई दिनों के पूरे कार्यक्रम में क्षेत्र में कम से कम 6 सप्ताह तक काम सुनिश्चित करना। इसमें शिक्षण और प्रतिक्रिया आदि के अनुभव के साथ–साथ स्कूल और कक्षा की एक एकीकृत तस्वीर और धारणा विकसित करने के लिए विभिन्न प्रकार के स्कूलों में 4 सप्ताह की व्यस्तता और समुदाय के साथ जुड़ाव के लिए 2 सप्ताह का कार्यक्रम शामिल होगा।

(च) छात्र–अध्यापकों और संकाय के लिए सेमिनार, वाद–विवाद, व्याख्यान और सामूहिक चर्चा का आयोजन करके शिक्षा पर गहन विमर्श शुरू करना।

(छ) शैक्षिक महत्व के विषयों पर विभिन्न कॉलेजों के बीच छात्र–अध्यापकों के लिए अंतर–संस्थागत विचार–विमर्श का आयोजन और अन्य संस्थानों में आयोजित ऐसे कार्यक्रमों में भागीदारी।

(ज) छात्र–अध्यापकों को कौशल–उन्मुख पाठ्यक्रमों में चिंतनशील सोच और महत्वपूर्ण प्रश्न पूछने में मदद करने के लिए एक सहभागी शिक्षण दृष्टिकोण अपनाना।

(झ) छात्र–अध्यापकों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक पत्रिकाओं और अवलोकन रिकॉर्ड सुगम बनाने हेतु सुविधा प्रदान करना जो चिंतनशील सोच के अवसर प्रदान करते हैं।

(ट) छात्र अध्यापकों द्वारा तैयार की गई योजना, अवलोकन कार्यक्रम, प्रतिक्रिया और प्रतिबिंबित रिपोर्ट के रिकॉर्ड बनाए रखना।

(ठ) संकाय विकास के लिए अवसर प्रदान करना और संकाय के व्यावसायिक विकास के लिए शैक्षणिक संवर्धन कार्यक्रम आयोजित करना। संकाय को शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने और अनुसंधान करने के लिए विशेष रूप से स्कूली शिक्षा में प्रोत्साहित किया जाएगा।

4.3 आकलन और मूल्यांकनः–

एनसीटीई द्वारा विकसित सुझावयुक्त पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार मूल्यांकन पद्धत्ति का अनुपालन किया जाएगा।

5. स्टाफ

5.1 संकायः

पचास छात्रों की एक बुनियादी इकाई और एक सौ छात्रों की दो इकाइयों के लिए, निर्दिष्ट आवश्यक और वांछनीय योग्यता और विशेषज्ञता के साथ, पाठ्यचर्या क्षेत्रों के लिए संकाय की भर्ती की जाएगी। अतिरिक्त संकाय की नियुक्ति उन प्रावधानों के अन्तर्गत की जाएगी जो नीचे उल्लिखित पाठ्यचर्या क्षेत्रों के लिए संकाय की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

एक इकाई के लिए विभिन्न पाठ्यचर्या क्षेत्रों में न्यूनतम संकाय का वितरण और लागू धाराओं के लिए 4 वर्षीय आईटीईपी की दो इकाइयां:

क्र. सं.	पदनाम	विज्ञान				मानविकी				वाणिज्य			
		एक इकाई		दो इकाई		एक इकाई		दो इकाई		एक इकाई		दो इकाई	
1.	विभागाध्यक्ष (शिक्षा में प्रोफेसर / एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर)	**एक**											
2.	सहायक प्रोफेसर (स्वतंत्र विषय और शिक्षाशास्त्र / शैक्षिक अध्ययन में)	1. गणित	एक	1. गणित	दो	1. इतिहास	एक	1. इतिहास	दो	1. अकाउंटेंसी	एक	1. अकाउंटेंसी	दो
3.		2. भौतिकी	एक	2. भौतिकी	दो	2. भूगोल	एक	2. भूगोल	दो	2. व्यापार अध्ययन	एक	2. व्यापार अध्ययन	दो
		3. रसायन विज्ञान	एक	3. रसायन विज्ञान	दो	3. राजनीती विज्ञान	एक	3. राजनीती विज्ञान	दो	3. अर्थशास्त्र	एक	3. अर्थशास्त्र	दो
		4. जीव विज्ञान / जीवन विज्ञान / जैव विज्ञान	एक	4. जीव विज्ञान / जीवन विज्ञान / जैव विज्ञान	दो	4. अर्थशास्त्र	एक	4. अर्थशास्त्र	दो	4. सूचना विज्ञान अभ्यास / गणित	एक	4. सूचना विज्ञान अभ्यास / गणित	दो
		5. वनस्पति विज्ञान / जीवन विज्ञान / जैव विज्ञान	एक	5. वनस्पति विज्ञान / जीवन विज्ञान / जैव विज्ञान	दो	5. अंग्रेजी / हिन्दी / आ.भा.भा.	एक	5. अंग्रेजी / हिन्दी / आ.भा.भा.	दो	5. अंग्रेजी / हिन्दी / आ.भा.भा	एक	5. अंग्रेजी / हिन्दी / आ.भा.भा	दो
		6. अंगेजी में सम्प्रेषणीय कौशल	एक	6. अंगेजी में सम्प्रेषणीय कौशल	एक	6. अंग्रेजी में सम्प्रेषणीय कौशल	एक	6. अंग्रेजी में सम्प्रेषणीय सक्रिय कौशल	एक	6. अंगेजी में सम्प्रेषणीय कौशल	एक	6. अंगेजी में सम्प्रेषणीय कौशल	एक
		7. आ.भा.भा. / शास्त्रीय भाषाओं में सम्प्रेषणीय कौशल	एक	7. आ.भा.भा. / शास्त्रीय भाषा में सम्प्रेषणीय कौशल	एक	7. आ.भा.भा. / शास्त्रीय	एक	7. आ.भा.भा. / शास्त्रीय भाषाओं में सम्प्रेषणीय कौशल	एक	7. आ.भा.भा. / शास्त्रीय भाषाओं में सम्प्रेषणीय कौशल	एक	7. आ.भा.भा. / शास्त्रीय भाषाओं में सम्प्रेषणीय कौशल	एक
		8. शैक्षिक अध्ययन	दो	8. शैक्षिक अध्ययन	तीन	8. शैक्षिक अध्ययन	दो	8. शैक्षिक अध्ययन	तीन	8. शैक्षिक अध्ययन	दो	8. शैक्षिक अध्ययन	तीन
4.	स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा	एक (अंशकालिक)											
5.	कला शिक्षा	एक (अंशकालिक)											
6.	कैरियर मार्गदर्शन तथा परामर्श	एक (अंशकालिक)											

दो इकाइयों से अधिक की अतिरिक्त इकाइयों के लिए, संकाय की आवश्यकता निम्नानुसार होगीः –

(i) तीन इकाइयों के लिए, संकाय की आवश्यकता एक एकल इकाई (क्रम संख्या 1,3,4 और 5 को छोड़कर) के लिए निर्धारित संकाय की उपयुक्त संख्या तक बढ़ाई जाएगी। चार इकाइयों के लिए, संकाय की आवश्यकता दो इकाइयों के लिए संकाय की आवश्यकता से एकदम दोगुनी है (क्रम संख्या 1,3,4 और 5 को छोड़कर)।

(ii) उपरोक्त न्यूनतम आवश्यक मुख्य संकाय है जिसे कार्यक्रम के लिए नियुक्त किया जाना है। हालांकि, संस्थान में मौजूदा संकाय की सेवाओं का भी इस अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के लिए उपयोग किया जा सकता है यदि उसके पास निर्धारित योग्यता है। इसके अलावा, इस कार्यक्रम के लिए निर्धारित न्यूनतम संख्या से अधिक, किसी भी अतिरिक्त संख्या में संकाय नियुक्त किया जा सकता है।

(iii) स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के लिए संकाय यदि उपलब्ध हो, तो संस्थान में साझा किया जा सकता है या अन्यथा अंशकालिक भर्ती की जा सकती है।

(iv) इस उद्देश्य के लिए नियुक्त परामर्शदाता या तो शिक्षा में सहायक प्रोफेसर होगा, जिसके पास स्नातकोत्तर स्तर पर एक पेपर के रूप में मार्गदर्शन और परामर्श से सम्बन्धित होगा या मार्गदर्शन और परामर्श में उपयुक्त योग्यता के साथ अंशकालिक परामर्शदाता होगा।

(v) इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय या कॉलेज के अन्य विभागों में मौजूदा भौतिक संसाधनों को साझा करने की अनुमति होगी।

5.2 अर्हताएं :

संकाय के पास निम्नलिखित अर्हताएं होंगीः –

क. शिक्षा में प्रोफेसर या शिक्षा में एसोसिएट प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष के रूप में):

(i) विज्ञान या गणित या सामाजिक विज्ञान या वाणिज्य या भाषा में स्नातकोत्तर उपाधि।

(ii) एम.एड.

(iii) शिक्षा के क्षेत्र में पीएच.डी.

(iv) प्रोफेसर के लिए अध्यापक शिक्षा संस्थान में दस साल और एसोसिएट प्रोफेसर के लिए आठ साल का शिक्षण अनुभव।

(v) इन श्रेणियों के पदों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित कोई अन्य प्रासंगिक अर्हता।

वांछितः

शैक्षिक प्रशासन या मार्गदर्शन में डिप्लोमा या डिग्री।

ख. सहायक प्रोफेसर– स्वतंत्र विषय और शिक्षाशास्त्र में:

(i) विज्ञान (भौतिकी या रसायन विज्ञान या वनस्पति विज्ञान या जीव विज्ञान या जीवन विज्ञान या जैव विज्ञान) या गणित या सामाजिक विज्ञान (इतिहास या भूगोल या राजनीति विज्ञान या अर्थशास्त्र) या भाषाएँ (अंग्रेजी या आधुनिक भारतीय भाषाएँ या शास्त्रीय भाषाएँ या वाणिज्य संबद्ध विषय) में न्यूनतम पचपन प्रतिशत अंकों या इसके समकक्ष ग्रेड के साथ स्नातकोत्तर उपाधि।

(ii) न्यूनतम पचपन प्रतिशत अंकों या समकक्ष ग्रेड के साथ बी.एड. उपाधि।

(iii) इन श्रेणियों के पदों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा या राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षा या शिक्षा में या संबंधित विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि?

वांछितः

(i) एम.एड. या विशेषज्ञता के साथ एम.एड

(ii) शिक्षा में पीएचडी.

ग. शैक्षिक अध्ययन में सहायक प्रोफेसरः

(i) न्यूनतम पचपन प्रतिशत अंकों या समकक्ष ग्रेड के साथ शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एड.)

(ii) इन श्रेणियों के पदों के लिए राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा या राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षा या शिक्षा में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित कोई अन्य योग्यता।

वांछितः

(i) मनोविज्ञान या दर्शनशास्त्र या समाजशास्त्र या उनके संबद्ध विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि।

घ. विशेष पाठ्यक्रमः

शारीरिक शिक्षाः

(i) न्यूनतम पचपन प्रतिशत अंकों या इसके समकक्ष ग्रेड के साथ शारीरिक शिक्षा स्नातकोत्तर (एम.पी. एड।)

कला शिक्षाः

(i) न्यूनतम पचपन प्रतिशत अंकों या इसके समकक्ष ग्रेड के साथ निष्पादन या दृश्य कला में स्नातकोत्तर डिग्री।

5.3 प्रशासनिक और व्यावसायिक कर्मचारीः

(क) सहायक लाइब्रेरियन – एक

(ख) कंप्यूटर लैब सहायक – एक

(ग) डाटा एंट्री ऑपरेटर (डीईओ) – एक

(घ) मल्टी–टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) – एक

(ड़) मौजूदा विभागों के लिए काम कर रहे अन्य प्रशासनिक और व्यावसायिक कर्मचारियों को साझा किया जाएगा।

ध्यान दें:

1. उपरोक्त सभी कर्मचारियों को मौजूदा पाठ्यक्रमों के साथ साझा किया जाना चाहिए।

2. समकक्ष पदों के लिए योग्यताएं राज्य सरकार या विश्वविद्यालय या संबद्ध निकाय द्वारा निर्धारित किए जाने के अनुसार होंगी।

5.4 स्टाफ की सेवा की शर्तें और उपबंधः चयन प्रक्रिया, वेतन बैंड या वेतनमान, सेवानिवृत्ति की आयु और अन्य लाभों सहित शिक्षण और गैर–शिक्षण कर्मचारियों की सेवा के नियम और शर्तें और उपबंध केंद्र सरकार या राज्य सरकार की या संबद्ध निकाय या विश्वविद्यालय की नीति के अनुसार होंगी।

6. बुनियादी सुविधाएं:

एक इकाई के लिए निम्नलिखित सुविधाएं होंगी। तथापि, प्रत्येक अतिरिक्त इकाई के लिए सुविधाओं में आनुपातिक रूप से वृद्धि होगीः–

6.1 भूमि और भवन

(क) आईटीईपी को संचालित करने वाले संस्थान के लिए न्यूनतम आवश्यक स्थान में एक प्रशासनिक विंग, एक अकादमिक विंग और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। सभी स्थान समावेशी, और बाधा–मुक्त व सुगम होने चाहिए।

(ख) संस्थान 3000 वर्ग मीटर (तीन हजार वर्ग मीटर) पूर्ण रूप से सीमांकित भूमि निर्धारित करेगा जो प्रारंभिक प्रविष्ठ पचास छात्रों के लिए तथा 2000 वर्गमीटर (दो हजार वर्ग मीटर) सीमांकित निर्मित क्षेत्र होगा और शेष स्थान लॉन, खेल के मैदान आदि के लिए होगा।

(ग) पचास छात्रों की प्रत्येक अतिरिक्त इकाई के लिए 200 वर्गमीटर का एक अतिरिक्त निर्मित क्षेत्र निर्धारित किया जाएगा। (दो सौ वर्ग मीटर)।

(घ) संस्थान द्वारा कम से कम चार शौचालय ब्लॉक निर्धारित किए जाएंगे, जिसमें से दो छात्रों के लिए (महिलाओं और पुरुषों के लिए प्रत्येक के लिए एक) और दो दिव्यांग व्यक्तियों सहित स्टाफ सदस्यों के लिए निर्धारित किए जाएंगे। खुले क्षेत्र में चार नलों वाला एक सामान्य हाथ धोने का स्थल उपलब्ध कराया जाएगा।

6.2 निर्देशात्मक सुविधाएं:

(क) कक्षाएं: संस्थान में प्रत्येक कक्षा के लिए 500 वर्ग फुट (पांच सौ वर्ग फुट) के क्षेत्र के साथ एक इकाई के लिए छः कक्षाएं निर्धारित होंगी और दो इकाइयों या अधिक के लिए कक्षाओं की संख्या आनुपातिक रूप से बढ़ाई जाएगी।

(ख) पुस्तकालयः

(i) पुस्तकालय कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करेगा और इसमें न्यूनतम 1000 (एक हजार) शीर्षकों और 4000 (चार हजार) पुस्तकों से सुसज्जित कम से कम पचास व्यक्तियों के बैठने की क्षमता होगी। इनमें अध्ययन के सभी पाठ्यक्रमों से संबंधित पाठ्य और संदर्भ पुस्तकें, कार्यक्रम में वर्णित दृष्टिकोण से संबंधित अध्ययन और साहित्य शामिल हैं। शैक्षिक विश्वकोश, इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन और डिजिटल या ऑनलाइन संसाधन और न्यूनतम पांच सन्दर्भ व्यावसायिक शोध पत्रिकाएं होनी चाहिए। संस्थान प्रासंगिक और पर्याप्त संसाधन सामग्री के साथ डिजिटल पुस्तकालय का निर्माण करेंगे।

(ii) पुस्तकालय संसाधनों में रा.अ.शि.प, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद और अन्य वैधानिक निकायों, शिक्षा आयोग की रिपोर्ट और नीति दस्तावेजों द्वारा प्रकाशित और अनुशंसित पुस्तकें और पत्रिकाएं शामिल होंगी। प्रत्येक वर्ष पुस्तकालय में गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों के कम से कम एक सौ शीर्षक जोड़े जाएंगे। पुस्तकालय में संकाय और छात्रों के उपयोग के लिए फोटोकॉपी सुविधा और इंटरनेट सुविधा के साथ कंप्यूटर भी उपलब्ध होगा।

(ग) प्रयोगशालाएं: भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, जीव विज्ञान और वनस्पति विज्ञान जैसे विज्ञान वर्ग वाले विषयों के लिए प्रयोगशालाओं को प्रयोग करने के लिए सुविधाओं और पर्याप्त उपकरणों के साथ निर्धारित किया जाएगा। मानविकी वर्ग में भूगोल के लिए एक प्रयोगशाला निर्धारित की जाएगी।

(घ) गतिविधि–सह संसाधन केंद्रः

(i) इस प्रकार निर्दिष्ट स्थान का उपयोग विभिन्न गतिविधियों जैसे शिल्प, शैक्षिक खिलौने, शिक्षण सहायक सामग्री और शिक्षण और शिक्षण सामग्री के सृजन आदि के संचालन के लिए किया जाएगा। अन्य गतिविधियों के संचालन के लिए पूरी सुविधाएं होंगी जो अध्यापक–छात्र को अनुभवात्मक अधिगम और शिक्षण कार्यक्रमों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए प्रदर्शन का व्यावहारिक अनुभव देती हैं।

(ii) यह संसाधन केंद्र फोटोकॉपी मशीन, ऑडियो वीडियो उपकरण, टेलीविजन, प्रोजेक्टर आदि जैसी सुविधाओं से लैस होगा।

(iii) इस केंद्र में एक कंप्यूटर और भाषा प्रयोगशाला स्थापित की जाएगी।

(ड़) स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा कक्षः सामान्य इनडोर और आउटडोर खेलों के लिए पर्याप्त क्रीड़ा और खेल उपकरण, साथ ही योग शिक्षा की सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

(च) बहु–उद्देश्यीय हॉलः संस्थान में न्यूनतम दो सौ सीटों की बैठने की क्षमता वाला एक निर्धारित हॉल और न्यूनतम कुल 2000 वर्ग फुट (दो हजार वर्ग फुट) का होगा। यह हॉल दृश्य–श्रव्य प्रणाली की स्थापना के साथ सेमिनार और कार्यशाला आयोजित करने के लिए सुसज्जित होगा।

(छ) संकाय कक्षः संकाय के लिए अलग–अलग कार्यस्थल, क्रियाशील कंप्यूटर और भंडारण स्थल उपलब्ध कराए जाएंगे।

(ज) प्रशासनिक कार्यालय स्थानः संस्थान कार्यालय के कर्मचारियों के लिए फर्नीचर, भंडारण और कंप्यूटर सुविधाओं के साथ पर्याप्त कार्य स्थल प्रदान करेगा।

(झ) कॉमन कक्षः संस्था कम से कम एक कॉमन रूम उपलब्ध कराएगी।

(ट) स्टोरः भंडारण के लिए पर्याप्त जगह के साथ एक कमरा उपलब्ध कराया जाएगा।

(ठ) सामान्य और अलग–अलग सक्षम व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य उद्देश्यों के लिए आवश्यक संख्या में कार्यात्मक और उपयुक्त फर्नीचर उपलब्ध कराया जाएगा।

(ड) संस्थान में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

(ढ) परिसर की नियमित सफाई, पानी और शौचालय की सुविधा, फर्नीचर और अन्य उपकरणों की मरम्मत और प्रतिस्थापन के लिए प्रभावी व्यवस्था की जाएगी।

(त) संस्थान में छात्र–शिक्षकों द्वारा अवधारणाओं को सीखने के लिए किचन गार्डन का विकास और रखरखाव किया जाना चाहिए।

(थ) वर्षा जल संचयन प्रणाली और अक्षय ऊर्जा के लिए बुनियादी संरचना जैसे बिजली के लिए सौर पैनल।

(द) रुचिकर सह–पाठयक्रम गतिविधियों के लिए सुविधाएं।

6.3 अन्य विभागों या विश्वविद्यालयों या कॉलेजों में मौजूदा भौतिक संसाधनों को इस कार्यक्रम के साथ साझा किया जा सकता है, यदि इससे अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम की आवश्यकता की पूर्ति होती है।

वांछितः

(क) ऊर्जा–कुशल भवन डिजाइन (जैसे जैव–जलवायु वास्तुकला, उच्च प्रदर्शन वाली इमारत का आवरण, उच्च प्रदर्शन–नियंत्रित वेंटिलेशन आदि)

(ख) ऊर्जा–सक्षम उपकरणों का उपयोग और ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता को कम करने के नए तरीके और अपशिष्ट प्रबंधन निपटान प्रणाली स्थापित करना।

6.4 संस्थान को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा निर्धारित सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करना होगा।

7. प्रबंध समिति : संस्थान में संबद्ध विश्वविद्यालय या संबंधित राज्य सरकार, यदि कोई हो, के नियमों के अनुसार गठित एक प्रबंध समिति होगी। ऐसे नियमों के अभाव में संस्था स्वयं एक प्रबंध समिति का गठन करेगी।

समिति में प्रायोजक सोसायटी या ट्रस्ट के प्रतिनिधि, शिक्षाविद, संबद्ध विश्वविद्यालय/निकाय के प्रतिनिधि और कर्मचारी शामिल होंगे।

8. विनियम के अंग्रेजी और हिंदी संस्करण के बीच किसी तरह के विवाद या असंगति होने की स्थिति में, अंग्रेजी संस्करण में विनियम मान्य होगा।

(i) परिशिष्ट–16 को हटा दिया जाएगा।

(ii) परिशिष्ट–17 को हटा दिया जाएगा।

केसांग वाई. शेरपा, सदस्य सचिव

[विज्ञापन-III/4/असा./378/2021]

नोटः मूल विनियम भारत के राजपत्र भाग III खंड 4 दिनांक 1 दिसंबर 2014 में अधिसूचना संख्या एफ 51–1/2014–एनसीटीई (एन एंड एस) दिनांक 28 नवंबर 2014 के माध्यम से प्रकाशित किए गए थे और पिछली बार फा.सं. एनसीटीई–रेगु.10122/8/2020 यू एस(रेगु.) एच.क्यू., दि. 14 अक्टूबर 2021 द्वारा संशोधित किए गए थे।

NATIONAL COUNCIL FOR TEACHER EDUCATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd October, 2021

F. No. NCTE-Regl011/80/2018-MS(Regulation)-HQ.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 32 of National Council for Teacher Education Act, 1993 (73 of 1993), the National Council for Teacher Education hereby makes the following amendments in the National Council for Teacher Education (Recognition, Norms and Procedure) Regulations, 2014, namely: -

1. **Short title and Commencement –** (1) These regulations may be called the National Council for Teacher Education (Recognition, Norms and Procedure) Amendment Regulations, 2021.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. In the National Council for Teacher Education (Recognition, Norms and Procedure) Regulations, 2014 (herein referred to as Principal Regulations) in regulation2 after clause (c) the following clauses shall be inserted namely: -

"(ca) "multidisciplinary institution" means a duly recognised higher education institution involving several different subjects of study/ combining or involving more than one discipline. Multidisciplinary universities and colleges will aim to establish education departments, which besides carrying out cutting edge research in various aspects of education, will also run Integrated Teacher Education Programme, in collaboration with other departments or field of liberal arts or humanities or social sciences or commerce or mathematics, as the case may be, at the time of applying for recognition of Integrated Teacher Education Programme.

(cb) "NEP 2020" means the National Education Policy 2020 which was approved by the Union Cabinet of India on 29 July 2020."

4. In the Principal Regulations, for regulation 9 the following regulation shall be substituted, namely: -

"9. **Norms and standards**.- Every institution offering the following programmes shown in the Table shall have to comply with the norms and standards for various teacher education programmes as specified in Appendix 1 to Appendix 15:

Sl. No.	Norms and Standards	Appendix No.
1.	Diploma in early childhood education programme leading to Diploma in Preschool Education (DPSE)	Appendix-1
2.	Elementary teacher education programme leading to Diploma in Elementary Education (D.El.Ed.)	Appendix-2
3.	Bachelor of elementary teacher education programme leading to Bachelor of Elementary Education (B.El.Ed.) degree.	Appendix-3
4.	Bachelor of education programme leading to Bachelor of Education (B.Ed.) degree.	Appendix-4
5.	Master of education programme leading to Master of Education (M.Ed.) degree.	Appendix-5
6.	Diploma in physical education programme leading to Diploma in Physical Education (D.P.Ed.).	Appendix-6
7.	Bachelor of physical education programme leading to Bachelor of Physical Education (B.P.Ed.) degree	Appendix-7
8.	Mater of physical education programme leading to Master of Physical Education (M.P.Ed.) degree	Appendix-8
9.	Diploma in elementary education programme through Open and Distance Learning System leading to Diploma in Elementary Education (D.El.Ed.)	Appendix-9
10.	Bachelor of Education Programme though Open and Distance Learning System leading to Bachelor of Education (B.Ed.) degree.	Appendix-10
11.	Diploma in arts education (Visual Arts) programme leading to Diploma in Arts Education (Visual Arts)	Appendix-11
12.	Diploma in arts education (Performing Arts) programme leading to Diploma in Arts Education (performing Arts)	Appendix-12
13.	Bachelor of education programme (Part Time) leading to Bachelor of Education (B.Ed) degree.	Appendix-13
14.	B.Ed. M.Ed (3 years integrated) programme leading to B.Ed. M.Ed (Integrated) degree.	Appendix-14
15.	Integrated Teacher Education Programme (ITEP)	Appendix-15

"

5. In the Principal Regulations,-

(i) Appendix-13 shall be omitted;

(ii) Appendix 14 and 15 shall be renumbered as Appendix-13 and Appendix-14 and after Appendix-13 and Appendix 14 as so renumbered the following Appendix shall be inserted, namely: -

"APPENDIX-15

Norms and Standards for Integrated Teacher Education Programme (ITEP)

1. Preamble:

1.1 The teacher must be at the centre of the fundamental reforms in the education system. The ITEP shall be offered after Senior Secondary (+2) or its equivalent examination or as per NEP 2020 structure 5+3+3+4 of schooling. It integrates everything to empower teachers and help them to do their job as effectively as possible. In addition, the integration of disciplinary and professional knowledge caters to the requirement to recruit the very best and brightest for the teaching profession at all levels (5+3+3+4).

1.2 The ITEP programme emphasizes on preparing teachers as envisaged in Pedagogical and Curricular restructuring of school education under NEP 2020. Apart from preparing teachers for the school education system in the country, the disciplinary knowledge gained in different subjects would help the student-teachers to gain in-depth knowledge in their specific subject(s) which would ensure admission to higher studies in that disciplinary stream and for higher professional qualification.

1.3 The ITEP aims at the dual purpose of providing student teachers disciplinary knowledge along with the professional knowledge in an integrated manner. Since the program will be equivalent to an Undergraduate Degree (B.Sc./B.A./ B.Com.) and Teacher Education Degree, the curriculum of this program includes different courses and activities essential for both the degrees.

1.4 The ITEP offered by multidisciplinary Higher Education Institutions (hereinafter referred to as 'HEIs') will be the minimal degree qualification for school teachers. The ITEP will be a dual-major holistic Bachelor's degree. This programme will prepare teachers for the new curricular and pedagogical structure of school education as reconfigured, to make it responsive and relevant to the developmental needs and interests of learners at different stages of their development, corresponding to the stages like Fundamental, Preparatory, Middle and Secondary guided by the 5+3+3+4 design.

1.5 The ITEP shall be in multi and inter disciplinary academic environment and shall be implemented in a phase-wise manner commencing in a pilot mode. The programme shall permit sharing of existing physical resources of other departments of the university/ HEIs. The ownership of ITEP shall lie with the Education Department of the multidisciplinary HEIs. All stand-alone Teacher Education Institutions (hereafter referred to as 'TEIs') will be required to convert into multidisciplinary institutions by 2030 to become eligible to offer the ITEP.

1.6 The annual performance appraisal report shall be submitted by the HEIs, in the customised format for ITEP provisioned by NCTE, within 1 (one) month after completion of the academic year. Inspection shall also be conducted, based on a suitable proforma developed by NCTE, which will determine extension/ withdrawal of recognition.

1.7 The time limits prescribed for inviting and processing of applications as provided in sub-regulations (5) and (6) of regulation 5 of the principal regulations shall be adhered to. If it is considered necessary, the time limits provided under sub-regulations (5) and (6) of regulation 5 may be relaxed after due consideration and after obtaining approval of the Central Government.

1.8 ITEP shall be implemented in a phase wise manner starting from piloting in multidisciplinary HEIS/TEIs and thereby country wide expansion as per NEP 2020 timeframe.

1.9 The exit system shall be applicable in ITEP as finalised in the National Higher Education Qualification Framework by UGC aligned with NEP 2020.

2. Duration and Working Days:

2.1 Duration:

The ITEP shall be of four academic years comprising eight semesters including internship (field-based experiences and practice teaching). Any student-teacher who is unable to complete any semester or appear in any semester–end examination, shall be permitted to complete the programme within a maximum period of six years from the date of admission to the programme.

2.2 Working Days:

(a) In a semester, there shall be at least 125 (one hundred and twenty-five) working days, excluding the period of admissions but including the period of examinations.

(b) Total working hours shall be a minimum of 40 (forty) hours to be spread over one week.

(c) The minimum attendance of student-teachers shall have to be eighty percent in all courses and ninety percent for field-based experience or school internship or teaching practice separately.

3. Intake, Eligibility, Admission Procedure and Fees:

3.1 Intake:

a) The basic unit shall comprise of fifty students each in the programme.

b) The institution shall be permitted to opt for one or more streams of either Arts Stream or Science Stream or Commerce Stream. The institution shall also be permitted to opt for one or more units being appropriate, in case the institution is eligible for the same.

3.2 Eligibility:

a) Candidates with minimum fifty percent marks in Senior Secondary or plus two examination or its equivalent (under 5+3+3+4 pattern) from a recognised board are eligible for admission.

b) The relaxation in percentage of marks in the Senior Secondary or plus two examination or its equivalent examination (under 5+3+3+4 pattern) and in the reservation for Scheduled Caste or Scheduled Tribe or Other Backward Class or Persons with Disabilities or Economically Weaker Section and any other categories shall be as per the rules of the Central Government or State Government or Union Territory Administration, wherever applicable.

3.3 Admission Procedure:

a) Admission in ITEP shall be through a suitable subject and aptitude test conducted by the National Testing Agency (hereinafter referred to as 'NTA') and shall be standardized keeping in view the linguistic and cultural diversity of the country.

b) A single nation-wide entrance test called National Common Entrance Test (hereinafter referred to as 'NCET') will be conducted by NTA for admission to the 4 Year ITEP under the recommendations of NEP 2020. The mode of examination shall be online/Computer Based Test (hereinafter referred to as 'CBT') in multilingual pattern and its score would reflect the relative performance level of the candidate for merit-based selection to secure the admission. Scorecard shall be prepared by NTA and admission shall be done through centralised online counselling.

c) At the time of admission to the programme, the candidate must indicate the subjects/discipline (B.A. B.Ed./B.Sc. B.Ed./B.Com. B.Ed.). Any change in the choice of subjects shall be made within one month from the date of commencement of the programme.

3.4 Fees:

The institution shall charge only such fee as may be prescribed by the affiliating body or State Government or concerned Universities in accordance with provisions of the National Council for Teacher Education (Guidelines for regulation of tuition fees and other fees chargeable by unaided teacher education institutions) Regulations, 2002 and shall not charge donations, capitation fee etc. from the students.

4. Curriculum and Programme Implementation:

4.1 The Curriculum and the implementation of the programme shall be based on the Model/Suggestive Curriculum developed by NCTE. However, different universities and institutions conducting this programme will be allowed upto 30% flexibility while adapting or modifying the Model/Suggestive Curriculum as per local requirements. However, NCTE reserves the right to validate any modifications to the Curriculum so adapted or modified at any stage, if felt necessary. Within a time span of 90 (ninety) days, curriculum framework and suggestive syllabus shall be uploaded on NCTE website for adoption /adaptation by the recognised HEIs/Affiliating body.

4.2 The HEIs will have to fulfill the following specific requirements for implementation of ITEP:

(a) Preparing school calendar in which the school internship and other school related practicum are synchronized with the academic calendar of the school.

(b) Making arrangement, with enough schools, for 18 weeks internship as well as other practicum activities required for school engagement. These schools will preferably be government schools and will form the basic contact point for all practicum activities and related work throughout the program of study. The state education administration should be involved for the allotment of schools to different HEIs.

(c) Ensuring a coordinating mechanism between schools and HEIs of the region. The Government must ensure a rational and reasonable distribution of student-teachers in various schools, in consonance with the school calendar, to provide school support and cooperation.

(d) Developing institutional mechanisms to involve the schoolteachers, of the Internship schools, in processes related to school internship. An orientation may be planned with the commencement of the Internship program, where faculty from the institute/college/department interacts with school teachers (mentor teachers).

(e) Ensuring work in the field amounting to a minimum of 6 weeks, spread over several days throughout the program. This will include 4 weeks of engagements in different types of schools to develop an integrated picture and perception of school and classroom, along with experience of teaching and feedback etc., and a 2 week program for engagement with the community.

(f) Initiating and deepening the discourse on education by organizing seminars, debates, lectures and discussion groups for student-teachers and faculty.

(g) Organizing inter-institutional interactions for student-teachers between various colleges on themes of educational significance and participation in such events organized in other institutions.

(h) Adopting a participatory teaching approach to help student-teachers to develop reflective thinking and critical questioning in skill-oriented courses.

(i) Facilitating student-teachers to access quality academic journals and observation records which provide opportunities for reflective thinking.

(j) Maintaining records of planning, observation schedules, feedback and reflective reports prepared by the student teachers.

(k) Providing opportunities for faculty development and organizing academic enrichment programs for the professional development of faculty. Faculty shall be encouraged to participate in academic pursuits and pursue research, especially in school education.

4.3 Assessment and Evaluation: -

The evaluation pattern as per the Suggestive Curriculum Framework developed by NCTE would be followed.

5. Staff:

5.1 Faculty:

For an intake of one basic unit of fifty students and two units of one hundred students, faculty shall be recruited for the curricular areas, with the specified essential and desirable qualifications and specialisation. Additional faculty shall be appointed subject to provisions that the faculty requirements for the curricular areas mentioned below are fulfilled.

The distribution of minimum faculty across different curricular areas for one unit and two units of 4 Year ITEP for Streams as applicable:

Sl. No.	Designation	Science				Humanities				Commerce			
		One unit		Two units		One unit		Two units		One Unit		Two Units	
1.	Head of Department (in the rank of the Professor/Associate Professor in Education)	**One**											
2.	Assistant Professor (in Liberal Discipline and Pedagogy/ Educational Studies)	1. Maths 2. Physics 3. Chemistry 4. Zoology/ Life Sciences/ Bio-Scien 5. Botany/ Life Sciences/ Bio-Science 6. Communicative Skills in English 7. Communicative skills in MIL/Classical Lang. 8. Educational Studies	One One One One One One One Two	1. Maths 2. Physics 3. Chemistry 4. Zoology/ Life Sciences/ Bio-Science 5. Botany/ Life Sciences/ Bio-Science 6. Communicative Skills in English 7. Communicative skills in MIL/Classical Lang. 8. Educational Studies	Two Two Two Two Two One One Three	1. History 2. Geography 3. Political Science 4. Economics 5. English/Hindi/ MIL 6. Communicative Skills in English 7. Communicative skills in MIL/Classical Languages 8. Educational Studies	One One One One One One One Two	1. History 2. Geography 3. Political Science 4. Economics 5. English/Hindi/MIL 6. Communicative Skills in English 7. Communicative skills in MIL/ Classical Languages 8. Educational Studies	Two Two Two Two Two One One Three	1. Accountancy 2. Business Studies 3. Economics 4. Informatics Practice/ Mathematics 5. English /Hindi/MIL 6. ommunicative Skills in English 7. ommunicative skills in MIL/ Classical Languages 8. Educational Studies	One One One One One One One Two	1. Accountancy 2. Business Studies 3. Economics 4. Informatics Practice/Mathematics 5. English /Hindi/MIL 6. ommunicative Skills in English 7. ommunicative skills in MIL/ Classical Languages 8. Educational Studies	Two Two Two Two Two One One Three
3.	Health and Physical Education	One (Part-time)											
4.	Arts Education	One (Part-time)											
5.	Career Guidance and Counselling	One (Part-time)											

For additional units over and above two units, the faculty requirement shall be as under: -

(i) For three units, the requirement of faculty shall be increased by the exact number of faculty as is prescribed for one single unit (except Sl. No. 1,3,4 & 5). For four units, the faculty requirement is exactly double of the faculty requirement for two units (except Sl. No. 1,3,4 & 5).

(ii) The above is the minimum essential core faculty to be appointed for the programme. However, the services of existing faculty in the institution could also be utilized for this teacher education programme if she/he possesses the prescribed qualification. Furthermore, any extra number of faculty may be appointed, over and above the minimum number prescribed for this programme.

(iii) Faculty for health and physical education may be shared, if available, in the institution or otherwise may be recruited part-time.

(iv) The Counsellor engaged for the purpose shall either be an Assistant Professor in Education having guidance and counselling as one of the papers at Post Graduate level or a part time Counsellor with an appropriate qualification in guidance and counselling.

(v) The programme shall permit sharing of existing physical resources in other Departments of the University or College.

5.2 Qualifications:

The faculty shall possess the following qualifications: -

A. Professor in Education or Associate Professor in Education (as Head of the Department):

(i) Postgraduate degree in Sciences or Mathematics or Social Sciences or Commerce or Languages.

(ii) M.Ed.

(iii) Ph.D. in Education

(iv) Ten years of teaching experience in a teacher education institution for Professor and eight years for Associate Professor.

(v) Any other relevant qualification prescribed by the University Grants Commission for these categories of posts.

Desirable:

Diploma or Degree in Educational Administration or Leadership.

B. Assistant Professor –in Liberal Discipline and Pedagogy:

(i) Post-Graduate degree in Sciences (Physics or Chemistry or Botany or Zoology or Life Sciences or Bioscience) or Mathematics or Social Sciences (History or Geography or Political Science or Economics) or Languages (English or Modern Indian Languages or Classical Languages) or Commerce allied subjects) with minimum fifty-five percent marks or its equivalent grade.

(ii) B.Ed. degree with minimum fifty-five percent marks or equivalent grade.

(iii) National Eligibility Test or State Level Eligibility Test or Doctor of Philosophy in Education or in the concerned subject as prescribed by the University Grants Commission for these categories of posts.

Desirable:

(i) M.Ed. or M.Ed. with Specialisation

(ii) Ph. D in Education.

C. Assistant Professor in Educational Studies:

(i) Postgraduate degree in Education (M.Ed.) with minimum fifty-five percent marks or equivalent grade

(ii) With National Eligibility Test or State Level Eligibility Test or Doctor of Philosophy in Education or any other qualification prescribed by University Grants Commission for these categories of posts.

Desirable:

(i) Master's degree in Psychology or Philosophy or Sociology or their allied subjects.

D. Specialised Courses:

Physical Education:

(i) Master of Physical Education (M.P. Ed.) with minimum fifty-five percent marks or its equivalent grade

Art Education:

(i) Postgraduate degree in Performing or Visual Arts with minimum fifty-five percent marks or its equivalent grade.

5.3 Administrative and Professional Staff:

(a)	Assistant Librarian	-	One
(b)	Computer Lab Assistant	-	One
(c)	Data Entry Operator (DEO)	-	One
(d)	Multi-Tasking Staff (MTS)	-	One

(e) Other Administrative and professional staff working for existing Departments shall be shared.

Note:

1. All the above staff should be shared with existing courses.
2. The qualifications shall be as prescribed by the State Government or University or affiliating body for equivalent posts.

5.4 Terms and Conditions of Service of Staff: The terms and conditions of service of teaching and non-teaching staff including selection procedure, pay band or scale, age of superannuation and other benefits shall be as per the policy of the Central Government or State Government or affiliating body or University.

6. Infrastructural Facilities:

The following facilities shall be for one unit. However, for every additional unit the facilities shall increase proportionately: -

6.1 Land and Building:

(a) The minimum essential space for an institution offering the ITEP includes an administrative wing, an academic wing and other amenities. All spaces should be inclusive and have barrier free access.

(b) The institution shall earmark 3000 sq. mts. (three thousand square metres) of well demarcated land for the initial intake of fifty students and 2000 sqm. (two thousand square metres) shall be the demarcated built-up area and the remaining space for lawns, playfields etc.

(c) For every additional unit of fifty students, it shall earmark an additional built up area of 200 sqm. (two hundred square metres).

(d) A minimum number of four toilet blocks shall be earmarked by the Institution, two for students (one each for women and men) and two for staff members, including persons with disabilities. One common hand washing station, with four taps, in an open area shall be provided.

6.2 Instructional Facilities:

(a) Classrooms: The Institution shall have six earmarked classrooms for one unit with an area of 500 sq. ft. (five hundred square feet) for each classroom and for two units or more the number of classrooms shall be increased proportionately.

(b) Library:

(i) The library shall cater to the requirements of the programme and shall have a seating capacity for at least fifty persons equipped with minimum 1000 (one thousand) titles and 4000 (four thousand) books. These include text and reference books related to all courses of study, readings and literature related with the approaches delineated in the programme; educational encyclopaedias, electronic publications and digital or online resources and minimum five referral professional research journals. The institutions shall create digital library with relevant and adequate resource materials.

(ii) Library resources shall include books and journals published and recommended by NCTE, National Council of Educational Research and Training and other statutory bodies, Education

Commission Reports and Policy documents. At least one hundred titles of quality books shall be added to the library every year. The library shall have photocopying facility and computer with Internet facility for the use of faculty and students.

(c) Laboratories: Laboratories for Science stream subjects such as Physics, Chemistry, Mathematics, Zoology and Botany shall be earmarked with facilities and adequate equipment for conducting experiments. In humanities stream, a laboratory for Geography shall be earmarked.

(d) Activity cum Resource Centre:

(i) The space so designated shall be used for conducting various activities like craft, educational toys, teaching aids and production of teaching and learning materials, etc. There shall be facilities for conducting other activities which give the teacher student a practical experience of exposure to experiential learning and use of Information and Communication Technology in teaching programmes.

(ii) This resource centre will be equipped with facilities such as photocopying machine, audio video equipment, television, projector etc.

(iii) A Computer and Language Lab shall be established in this Centre.

(e) Health and Physical Education Room: Adequate games and sports equipment for common indoor and outdoor games, as well as facilities for yoga education, shall be available.

(f) Multipurpose Hall: The institution shall have one earmarked hall with seating capacity of minimum two hundred seats and minimum total area of 2000 sq. ft (Two thousand square feet). This hall shall be equipped for conducting seminars and workshops with installation of an audio-visual system.

(g) Faculty Rooms: For faculty, individual workspaces, functional computers and storage spaces shall be provided.

(h) Administrative Office Space: The institution shall provide adequate working space for the office staff, with furniture, storage, and computer facilities.

(i) Common Room: The institution shall provide at least one common room.

(j) Store: One room with adequate space for storage shall be provided.

(k) Functional and appropriate furniture for general and differently able persons in required number for instructional and other purposes shall be provided.

(l) Access to safe drinking water be provided in the institution.

(m) Effective arrangement be made for regular cleaning of campus, water and toilet facilities, repair and replacement of furniture and other equipment.

(n) Kitchen garden in the institution be developed and maintained by the student-teachers in order to learn concepts.

(o) Rainwater harvesting system and infrastructure for renewable energy such as solar panels for electricity.

(p) Facilities for co curricular activities of choice.

6.3 The existing physical resources in other Departments or Universities or Colleges can be shared with this programme, if it fulfils the requirement of the teacher education programme.

Desirable:

(a) Energy efficient building designs (such as bio-climatic architecture, high performing building envelop, high performance-controlled ventilation etc.)

(b) Use of energy efficient equipment and new ways to minimize the dependency on conventional sources of energy and waste management disposal system.

6.4 The institution must adhere to safety guidelines as prescribed by National Disaster Management Authority (NDMA).

7. Managing Committee: The institution shall have a Managing Committee constituted as per the rules of the affiliating University or concerned State Government, if any. In the absence of such rules, the institution shall

constitute a Managing Committee on its own. The Committee shall comprise of the representatives of the sponsoring society or trust, academicians/ educationists, representatives of the affiliating University/Body and of the staff.

8. In the event of any conflict or inconsistency between English and Hindi version of the regulation, the regulation in English version shall prevail".

(iii) Appendix-16 shall be omitted;

(iv) Appendix-17 shall be omitted.

KESANG Y. SHERPA, Member Secy.

[ADVT.-III/4/Exty./378/2021]

Note: The Principal Regulations were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated the 1st December, 2014, *vide* notification number F.51-1/2014/NCTE (N&S), dated the 28th November, 2014 and were last amended *vide* notification number F.NCTE-Regl0122/8/2020-US (Regulation)-HQ, dated the 14th October,2021.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

ALOK KUMAR
Digitally signed by ALOK KUMAR
Date: 2021.10.26 21:30:57 +05'30'

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्
(भारत सरकार का एक विधिक संस्थान)

गुरुर्गुरुतमो धाम
NCTE

National Council for Teacher Education
(A Statutory Body of the Government of India)

By E-mail / By Hand / Speed Post / Fax

F.No. NCTE-CDN011(11)/5/2021-CDN-HQ **27th April, 2022**

To,

All General Body Members of NCTE

Sub: Circulation of minutes of the 54th General Body Meeting (Emergent) of the NCTE held on 27th April, 2022- reg.

Sir/Madam,

I am directed to refer to the above-mentioned subject and to say that the 54th General Body Meeting (Emergent) of the NCTE was held on 27th April, 2022 at 09:45 A.M. Virtually.

The minutes of the meeting have been drawn up and approved by the Chairperson of the Council.

A copy of the minutes is attached herewith.

Yours faithfully,

27/4/2022

(Dr. Akhil Kumar Shrivastava)
Under Secretary

Encl: As above

Copy to:

1. RD, SRC/ NRC/ WRC/ ERC, NCTE, New Delhi.
2. All Section Heads in NCTE.

MINUTES OF THE 54th GENERAL BODY MEETING (EMERGENT) OF THE NCTE HELD ON 27th APRIL, 2022 IN VIRTUAL MODE

The 54th General Body meeting (Emergent) of NCTE was held on 27th April, 2022 at 9:45 a.m. in virtual mode. The list of members who attended the meeting is attached at Annexure-1.

At the outset, the Chairperson, NCTE welcomed the members and allowed Member Secretary to present the agenda item before the Council.

Agenda Item No. 01 **Status of TEIs running 4 year Integrated B.Sc.B.Ed/ B.A.B.Ed. course with the recognition/ approval of Regional Committee of NCTE and further action on applications for the said course pending in RCs at various stages**

The DTE, NCERT, New Delhi forwarded a letter No. NIL dated 24.01.2022 to NCTE stating the following regarding Integrated Teacher Education Programme (ITEP):

- NCTE has issued a Notification dated 22.10.2021 published in the Gazette in India, Part III-Section 4 on 26th October, 2021 thereby inter-alia laying down the Norms & Standards for Integrated Teacher Education Programme (ITEP).
- As per the said gazette notification, the programme B.Sc.B.Ed/B.A.B.Ed (Appendix 13 as per NCTE 2014 regulations) has been removed from the list of approved pre-service teacher education programmes.
- These programmes are being offered at RIEs (earlier RCEs) from 1965 as innovative teacher education programmes for preparing teachers at secondary level. NCTE also had approved it as these innovative programme till 2014 and as per the NCTE Regulations 2014, were included in the general list.
- As a result of the removal of **4 year Integrated B.Sc.B.Ed/B.A.B.Ed.** programme from the list of approved programmes, RIEs will not be able to admit students for these courses from the next academic year onwards.

2. It is requested that the NCTE may take necessary steps to include these programmes in the list so that RIEs can offer these courses in the future also. The modification in the curriculum as per NEP 2020 recommendations will be done by RIEs in due course.

3. Alongwith RIEs, there are other TEIs also offering the **4 year Integrated B.Sc.B.Ed/B.A.B.Ed.** programme in different Regional Committees aggregating to 772 (approx) including RIEs.

4. The office of WRC, vide its letter No. NCTE/WRC/Regulation/2022 dated 28.1.2022, also informed that the pending applications of B.A.B.Ed./B.Sc.B.Ed. was placed before WRC in its 349th Meeting held on 29th - 31st December, 2021 and the Committee decided as under:

"The Committee unanimously decided that these cases and similar cases of B.A.B.ED./B.SC.B.ED. pending at different stages are deferred and will be taken up later in the light of ITEP notification dated 26.10.2021 after clarification received from the NCTE Hqrs.

Hence, clarification be obtained from the NCTE Hqrs on the above."

5. The office of NRC, vide its letter/s dated 18.02.2022, also forwarded the matters of pending applications of B.A.B.Ed./B.Sc.B.Ed. of some institution/s which were placed before NRC in its 361st Meeting held on 13th -14th January, 2022 and the Committee decided as under:

"Matter should be referred to NCTE (HQ) for further guidance in the matter of B.A.B.Ed./B.Sc.B.Ed."

6. In this regard it is submitted that the NCTE has issued a Notification dated 22.10.2021 published in the Gazette in India, Part III-Section 4 on 26th October, 2021 thereby inter-alia laying down the Norms & Standards for Integrated Teacher Education Programme (ITEP). The Appendix-13 to the NCTE Regulations, 2014 notified on 01.12.2014 in respect of 4 year Integrated B.Sc.B.Ed/B.A.B.Ed. programme has been omitted vide this notification dated 22.10.2021. As such, the Norms and Standard for 4 year Integrated B.Sc.B.Ed/B.A.B.Ed. programme no more exists as on date.

7. In view of the above, legal opinion was sought for from Ms. Mohini Bhatt, Legal Counsel of NCTE at Supreme Court of India.

8. Ms. Bhatt vide letter dated 07.03.2022 has tendered the legal opinion on the above points as under:

Sl. No.	Point raised by the NCTE	Legal opinion tender by the advocate
I.	What will be the recognition status of those institutions which have been granted recognition by the NCTE so far and have been running the B.Sc.B.Ed/B.A.B.Ed programme at present?	The institutions wherein the Regional Committees have granted recognition for the 4-year integrated B.Sc.B.Ed./B.A.B.Ed. programme, their recognition shall remain valid till the duration of the course, i.e. to say till the batches enrolled for this course graduate from the recognized institution, the recognition granted to such institution shall remain valid. Since these courses has now been "phased out" by amendment of law to align teacher's training course with the National Education Policy, 2020, such courses can no long be offered by existing institutions.
II.	Which Norms & Standards will be applicable to these institutions as on date or in case of any future	As the recognition granted was as per Appendix-13 of the NCTE Regulations, 2014 notified on 01.12.2012, outlining the Norms and Standards for the 4-year integrated B.Sc.B.Ed./B.A.B.Ed. course, therefore, the

Sl. No.	Point raised by the NCTE	Legal opinion tender by the advocate
	inspection u/s 13, if conducted?	same Norms and Standards shall be applicable in case of any inspection conducted in the future till the time the last of the batches graduate from the concerned institutions. In other words, the previous regulations will continue to operate, only till the time the last batch admitted to the said courses pass out and would thereafter become unenforceable.
III.	By which Norms & Standards, the applications for B.Sc.B.Ed/B.A.B.Ed programme which are at present pending in RCs be dealt with?	The mere submission of an application of the 4-year integrated B.Sc.B.Ed./B.A.B.Ed. course shall not create any vested rights in favour of an Institution. The applications pending before the Regional Committees can be dispensed with the observation that the above course is no long recognized by the Council. The requisite fees may also be returned to such an institution. The relevant date would be the date of consideration and not the date of filing the application, since the scheme of the NCTE Act does not suggest that filing an application result in any vested right. Furthermore, the current changes are legislative in character (By amendment of the 2014 Regulations) and as such cannot be said to create any enforceable rights or legitimate expectation. The amendments have been made pursuant to a National Education Policy, 2020 across the board for norms relating to education at all levels. Therefore, undoubtedly, the larger national interest would prevail over any private interests.
IV.	By which Norms & Standards, the old application which is ordered by the Hon'ble Court/Appeal for re-processing, be dealt with?	Where the old application is ordered by the Hon'ble Court/Appeal for re-processing, it would be advisable to seek a review to the effect that the evaluation should be undertaken under the Norms & Standards of 2021. The Courts never intended to issue a mandamus contrary to law since, the current amendment is legislative in character. As such the 2021 Amendment being legislative in character cannot be treated as an executive or administrative action requiring the observance of principles of natural justice. Please see:

Sl. No.	Point raised by the NCTE	Legal opinion tender by the advocate
		State of Tamil Nadu v. P. Krishnamurthy &Ors., (2006) 4 SCC 517 [Paras 22 & 27].

9. In view of the above facts & circumstances, the matter is placed before the General Body of the Council for consideration and taking policy decision in respect of the following:

I. The institutions wherein the Regional Committees have granted recognition for the 4-year Integrated B.Sc.B.Ed./B.A.B.Ed. programme, their recognition shall remain valid. They would be allowed to enroll students subject to the condition that they shall transition to the new 4 year ITEP curriculum in accordance with NCTE Amended Regulations 2021 dated 22.10.2021 before start of academic session 2023-24. As the Amended Regulation 2021 came to effect vide directions from MoE under Section 29 of NCTE Act 1993, therefore if approved it would be communicated to MoE for legal vetting and bringing necessary amendments in the NCTE Notification dated 22.10.2021 published in the Gazette of India.

II. The Norms and Standards prescribed in Appendix 13 of NCTE Regulations for 4year integrated B.Sc.B.Ed./B.A.B.Ed. programme has been omitted by the NCTE Regulations 2021. Therefore, the application pending before the RCs for the said course shall not be processed further. Hence, all such pending applications before RCs at any stage of processing may be returned along with the processing fee in original to the concerned institution.

III. In the cases where the applications for 4-year Integrated B.Sc.B.Ed./B.A.B.Ed. programme have been processed/ re-opened as per the directions of the Hon'ble Court (s), the concerned Regional Committee shall file a review / appeal before the Hon'ble Court(s) alongwith stay application against the order passed by the Hon'ble High Court for processing of application for 4-year integrated B.Sc.B.Ed./B.A.B.Ed. programme, keeping in view the above decision taken by the General Body regarding pending applications of 4-year integrated B.Sc.B.Ed./B.A.B.Ed. programme

DECISION OF THE COUNCIL

The Council, after detailed deliberation, has approved all the three proposals mentioned in agenda Item No. 1.

Agenda Item No. 02

PAR is a mechanism of annual online self-declaration, developed by NCTE to monitor the quality control of Teacher Education Institutions (TEIs) vide the Single Bench judgement of the Hon'ble Delhi High Court, dated 27.05.2021 it was decided that PAR starting from academic session 2020-2021 would have to be filed by all TEIs by 15th March, 2022. Further, vide Division Bench Order dated 25 February 2022, the Hon'ble Court while upholding the decision of the Single Bench extended the date of filing of PAR to 31st March, 2022. Further, the Hon'ble Supreme Court, vide its Order dated 01.04.2022, decided that the TEIs would have file PAR for the academic session 2020-21 by 2nd April, 2022. Approximately, 11000 TEIs have filed the PAR.

In view of the above facts & circumstances, the matter is placed before the General Body of the Council for consideration and taking policy decision in respect of the following:

a) The PAR applications received by NCTE shall be further analysed for further necessary action by NCTE.
b) With regard to the TEIs which have not filled PAR in compliance with Hon'ble Supreme Court's deadline of 2nd April, 2022, the academic session 2022-23 shall be declared as a zero academic year for fresh intake.

DECISION OF THE COUNCIL

The Council, after detailed deliberation, has approved two proposals mentioned in agenda Item No. 2.

Other Item: The Council also decided that the next meeting of General Body of the Council shall be conducted in physical mode.

The meeting ended with vote of thanks to the Chair.

These minutes are signed by the Member Secretary, NCTE on behalf of Chairperson of the Council with his prior approval.

Kesang Y. Sherpa 27/04/2022

(Kesang Y. Sherpa, IRS)
Member Secretary

****

Annexure-1

List of Participants who attended the 54th meeting

1. Prof. Dinesh Prasad Saklani, Chairperson, NCTE, Chairperson, NCTE, G-7, Dwarka, Sector – 10, New Delhi – 110075
2. Sh. Vineet Joshi, IAS Chairman, CBSE, Central Board of Secondary Education (CBSE), Shiksha Kendra, 2, Community Centre, Preet Vihar, Delhi – 110092
3. Mrs. Kesang Yangzom Sherpa, IRS, Member Secretary, NCTE, G-7, Dwarka, Sector – 10, New Delhi – 110075
4. Sh. Rajive Kumar, Member Secretary, AICTE, New Delhi
5. Sh. Rahul Pachori, Deputy Secretary, Ministry of Education, Dept. of School Education and Literacy, 124-C, Shastri Bhawan, New Delhi – 110001 (Nominee of Secretary, Education, Ministry of Education, GoI)
6. Dr. Amarendra Behera, Director, CIET, NCERT (Nominee of Director, NCERT)
7. Principal Secretary , Government of Madhya Pradesh, Room No.305, School Education Department, Mantralaya , Vallabh Bhwan, Bhopal-462004, Madhya Pradesh.
8. Education Secretary, Government of Goa, 18th June road, Government of Goa , School Edu. Deptt. Secretariat, Porvori-403521, Goa.
9. Sh. B. K. Singh, Principal Secretary, Govt of Jammu & Kashmir, School Education Department, Room No-1/42, Jammu & Kashmir,
10. Prof. (Retd.) Nilima Bhagabati, Chairperson, ERC, 5A, Bhagirathi Apartments 5th Bye-Lane Zoo Narengi Road Guwahati- 781021, Assam
11. Dr. Kinnari Pandiya, School of Education, Azim Premji University PES Campus, Pixel Park, B Block, Electronics City, Hosur Road (Beside NICE Road) Bengaluru – 560100, India
12. Dr. Banwari Lal Natiya, Principal (Retd.), Chairperson, Northern Regional Committee, RA-20, Kumawat Colony, Road No. 2, KhatipuraRoad,Jhotwara, Jaipur – 302012, (Rajasthan)
13. Shri Sambharant Sharma, Executive-Member, Sri Aurobindo Society, New Delhi
14. Shri Sandeep Joshi, Aadarsh Government Higher Secondary School, Rewat, Jalore – 343001, Rajasthan.
15. Dr Sunita Singh, Dean, Dr B.R.Ambedkar University, Delhi, AUD Kashmeri Gate Campus Lothian Road, Kashmeri Gate, Delhi – 110006.
16. Dr. K. K. Shine Chairperson, Southern Regional Committee, Rashtriya Sanskrit Sansthan (D.U.) Guruvayoor Campus – 680551, (Kerala)
17. Dr. Dhananjay Joshi, Dean, Department of Education, Guru Govind Singh Indraprastha University, Block C, Room No. C-403, Guru Gobind Singh Indraprastha University, Sector 16C, Dwarka New Delhi-110078
18. Dr. Ashok Pandey, Former Principal., Ahlcon International School, Mayur Vihar, Phase-1, Delhi.
19. Shri Jobi Balakrishanan, Primary School Teacher, Government Junior Primary School, Mulli, Attappadi, Kerala.
20. Sh. Harshit Mishra, Deputy Advisor, Education, Niti Aayog
21. Dr. Ravindra Mahadeorao Kadu, Chairperson, Western Regional Committee, Mudholkar Peth, Amravati–444601, (Maharashtra)
22. Shri Subodh Tiwari, CEO, Yoga and Educational Expert, Kavalyadham, Yoga Institute, Swami Kuvalyananda Lonavala, Pune – 410403
23. Prof. Pranati Panda, Professor, NIEPA (Representative of Vice Chancellor, NIEPA)

24. Prof. (Reted) Umesh Chandra Vashishath,former Dean and HoD, Department of Education, University of Lucknow, Uttar Pradesh.
25. Prof. Anil Shukla, Vice-Chancellor, Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Department of Education, University of Lucknow, Lucknow- 226007, UP.
26. Sh. Mukesh Yadav, Controller of Exam, SCERT, Delhi (Nominee of Secretary, Education, Govt of NCT of Delhi)
27. Prof. Shashikala Wanjari, Vice-Chancellor, SNDT Women's University, 1, Nathibai Thackersey Road, Mumbai 400 020.

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-14102021-230428
CG-DL-E-14102021-230428

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 460] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्तूबर 14, 2021/आश्विन 22, 1943
No. 460] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 14, 2021/ASVINA 22, 1943

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 अक्तूबर, 2021

फा. सं. एनसीटीई–रेगु.10122/8/2020–यूएस(विनियमन)–एचक्यू.—राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् अधिनियम, 1993 (1993 का 73) की धारा 32 की उप–धारा (1) तथा धारा (32) की उप–धारा (2) के खंड (च) और (ज) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, एतद्द्वारा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता मानदंड तथा क्रियाविधि) विनियम, 2014 को संशोधित करते हुए पुनः एतद्द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है। अर्थात्:–

1. लघु शीर्षक तथा प्रवर्तन :– (1) ये विनियम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता मानदंड तथा क्रियाविधि) संशोधन विनियम, 2021 कहलाएंगे।

   (2) वे सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

2. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता मानदंड तथा क्रियाविधि) विनियम, 2014 में, परिशिष्ट–15 में, अनुच्छेद–1 के स्थान पर, निम्नलिखित अनुच्छेद को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:–

   "1. प्रस्तावना

   एकीकृत बी.एड.–एम.एड. कार्यक्रम शिक्षा में तीन वर्ष का पूर्णकालिक व्यावसायिक कार्यक्रम है, जिसमें तीन वर्षों के अध्ययन को पूरा करने से पहले बीच में छोड़ने का कोई विकल्प नहीं है। इसका उददेश्य शिक्षा में अध्यापक, अध्यापक–शिक्षकों और अन्य व्यावसायिकों को तैयार करना है, जिनमें पाठ्यचर्या, विकासकर्ता, शिक्षा नीति विश्लेषक, शैक्षिक आयोजक और प्रशासक, स्कूल प्रिंसिपल, पर्यवेक्षक और शिक्षा के क्षेत्र के अनुसंधानकर्त्ता भी शामिल हैं। कार्यक्रम के पूरा होने पर एकीकृत तीन वर्षीय बी.एड.–एम.एड की उपाधि प्राप्त होगी।"

केसांग वाई. शेरपा, सदस्य सचिव

[विज्ञापन-III/4/असा./331/2021-22]

नोट : मूल विनियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग–III, खंड 4, दिनांक 1 दिसंबर, 2014 में अधिसूचना संख्या एफ.51–1/2014/एनसीटीई(एन और एस), दिनांक 28 नवंबर, 2014 को प्रकाशित हुए थे और अंतिम बार अधिसूचना संख्या एफ.एनसीटीई–रेगु.1011/80/2018–एमएस (विनियमन)–मुख्यालय, दिनांक 29 मार्च, 2019 द्वारा संशोधित किए गए थे।

NATIIONAL COUNCIL FOR TEACHER EDUCATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th October, 2021

F. No NCTE-Regl022/8/2020-US(Regulation)-HQ.—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 32 and clause (f) and (h) of sub-section (2) of section 32 of the National Council for Teacher Education Act, 1993 (73 of 1993), the National Council for Teacher Education hereby makes the following amendments further to amend the National Council for Teacher Education (Recognition Norms and Procedure) Regulations, 2014, namely:-

1. Short title and commencement.—(1)These regulations may be called the National Council for Teacher Education (Recognition Norms and Procedures) Amendment Regulations, 2021.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the National Council for Teacher Education (Recognition Norms and Procedure) Regulations, 2014, in the Appendix-15, for paragrapgh-1, the following paragraph shall be substituted, namely:-

"1. Preamble

The integrated B.Ed.-M.Ed. Programme is a three year full-time professional programme in education, without any option of intermediate exit before completing the three years of study. It aims at preparing teacher, teacher educators and other professionals in education, including curriculum developers, educational policy analysts, educational planners and administrators, school principals, supervisors and researchers in the field of Education. The completion of the programme shall lead to integrated three-year B.Ed.-M.Ed. degree."

KESANG Y. SHERPA, Member Secy.

[ADVT.-III/4/Exty./331/2021-22]

Note: The Principal Regulations were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated the 1st December, 2014, vide notification number F.51-1/2014/NCTE (N&S), dated the 28th November, 2014 and were last amended vide notification number F.NCTE-Regl011/80/2018-MS (Regulation)-HQ, dated the 29th March, 2019.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

MANOJ KUMAR VERMA Digitally signed by MANOJ KUMAR VERMA Date: 2021.10.14 23:09:53 +05'30'

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-05052022-235563
CG-DL-E-05052022-235563

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 238] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 5, 2022/वैशाख 15, 1944
No. 238] NEW DELHI, THURSDAY, MAY 5, 2022/VAISAKHA 15, 1944

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 मई, 2022

फा.सं. एनसीटीई–रेगु.012/13/2021–विनि.अनु.–मु.–राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद अधिनियम, 1993 (1993 का 73) की धारा 32 की उप–धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद एतद्द्वारा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (मान्यता, मानदंड तथा क्रियाविधि) विनियम, 2014, में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थातः–

1. **लघु शीर्षक तथा प्रवर्तन.**–(1) ये विनियम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (मान्यता, मानदंड तथा क्रियाविधि) संशोधन विनियम, 2021 कहलाएंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

2. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (मान्यता, मानदंड तथा क्रियाविधि) विनियम, 2014 (इसके बाद उक्त विनियमों के रूप में संदर्भित) में, विनियम 2 में, खंड (ख) के लिए, निम्नलिखित खंड को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(ख) संयुक्त संस्थान" का अर्थ है एक विधिवत मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षा संस्थान जो अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों की मान्यता के लिए आवेदन करते समय उदार कला या मानविकी या सामाजिक विज्ञान या विज्ञान या वाणिज्य के क्षेत्र में अध्ययन के स्नातक या स्नातकोत्तर कार्यक्रमों, जैसा भी मामला हो, को संचालित करते हैं;"

3. मूल विनियमों में, विनियम 3 में,–

(i) खंड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थातः–

"(क) नए अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों की शुरूआत के लिए मान्यता जो बहु–विषयक संस्थानों में दी जाएगी;"

(ii) खंड (च) के बाद, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(छ) शिक्षा स्नातक संचालित करने वाले जो एकल सरकारी कालेज एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों को संचालित करना चाहते हैं, उन्हें निकट के बहु–विषयक सरकारी उच्च शिक्षा संस्थानों के सहयोग से ऐसा करना चाहिए, जो एक ही विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं।"

4. मूल विनियमों में, विनियम 5 में,–

(i) उप–विनियम (2) का विलोप किया जाएगा;

(ii) उप–विनियम (3) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(3) आवेदन पत्र प्रक्रिया शुल्क, जैसा लागू हो, तथा अपेक्षित दस्तावेजों की स्कैन की गयी प्रतियों के साथ जिसमें संबंधित संबद्धकारी निकाय द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाणपत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी मूल अधिकृत भूमि दस्तावेज जिसमें यह दर्शाया गया हो कि कार्यक्रम के लिए आवेदन करने वाली सोसायटी या संस्था के पास आवेदन की तिथि में भूमि उपलब्ध है, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से ऑनलाइन जमा किया जाये।

(iii) उप–विनियम (4) हटाया जाएगा;

(iv) उप–विनियम (5) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(5) हर प्रकार से विधिवत भरा हुआ ऑनलाइन आवेदन पत्र जिस शैक्षणिक सत्र के लिए मान्यता मांगी गयी है, उसके पूर्व वर्ष के 1 मार्च से 31 मई के बीच सम्बन्धित क्षेत्रीय समिति को भेजा जाना चाहिए :

किन्तु उक्त अवधि में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा प्रायोजित अध्यापक शिक्षा के नवाचार या पायलेट कार्यक्रमों के लिए भेजे जाने वाले आवेदनों पर लागू नहीं होगी।"

5. मूल विनियमों में, विनियम 6 के स्थान पर, निम्नलिखित विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"6. प्रसंस्करण शुल्क– राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, 1997 के नियम 9 के तहत निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान आवेदक द्वारा, जैसा लागू हो, संस्थान को अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम का संचालन करने या मौजूदा कार्यक्रम में सीटों में वृद्धि या नया पाठ्यक्रम शुरू करने की मान्यता प्रदान करने लिए आवेदन को संसाधित करने हेतु नामित बैंकों के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा।"

6. मूल विनियमों में विनियम 7 में,–

(i) उप–विनियम (2) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(2) आवेदन शुल्क जमा न करने पर आवेदन सरसरी तौर पर निरस्त कर दिया जाएगा, जैसा लागू है, जैसा कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के नियम, 1997 के नियम 9 के तहत ऑनलाइन आवेदन जमा करने की पहली तिथि को या उससे पहले निर्धारित किया गया है।"

(ii) उप–विनियम (4) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(4) आवेदन पत्र प्राप्त होने के सात दिनों के भीतर राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन अपलोड करने के क्रमबद्ध रूप में, अपनी सिफारिशें या टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए ऑनलाइन या ईमेल के माध्यम से एक पत्र क्षेत्रीय समिति के कार्यालय द्वारा राज्य सरकार या केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन को भेजा जाएगा।"

(iii) उप–विनियम (5) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(5) पत्र प्राप्त होने पर, संबंधित राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन अपनी सिफारिशें या टिप्पणियां संबंधित क्षेत्रीय समिति के कार्यालय द्वारा पत्र जारी होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर, जैसा भी मामला हो, प्रस्तुत करेगा। यदि राज्य सरकार या केन्द्र शासित प्रदेश प्रशासन मान्यता के पक्ष में नहीं है, तो यह आवश्यक आंकड़ों के साथ विस्तृत कारण या आधार प्रदान करेगा, जिसे क्षेत्रीय समिति द्वारा आवेदन का निपटान करते समय ध्यान में रखा जाएगा।

(iv) उप–विनियम (6) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(6) यदि सिफारिशें या टिप्पणियां निर्धारित अवधि के भीतर प्राप्त नहीं होती हैं, तो क्षेत्रीय समिति अपनी सिफारिशों या टिप्पणियों को प्रस्तुत करने के लिए सात दिनों का अतिरिक्त समय प्रदान करते हुए एक अनुस्मारक भेजेगी। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई उत्तर प्राप्त नहीं होता है तो क्षेत्रीय समिति मामले पर कारवाई करेगी और गुण–दोष के आधार पर निर्णय करेगी। क्षेत्रीय समिति द्वारा आवेदन की प्रक्रिया को सिफारिशों या टिप्पणियों के प्राप्त न होने के आधार पर स्थगित नहीं किया जाएगा।"

(v) उप–विनियम (7) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(7) विनियम 7 के उप–विनियम (6) के तहत निर्धारित सिफारिशों या टिप्पणियों, या अपनी ओर से इस पर विचार करने के बाद, संबंधित क्षेत्रीय समिति यह तय करेगी कि संस्थान का निरीक्षण ऑनलाइन पद्धत्ति के माध्यम से विशेषज्ञों की एक दल द्वारा किया जाएगा, जिसे निरीक्षण दल कहा जाता है। अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित निरीक्षण दल नीति के अनुसार पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए संस्थान की तैयारी के स्तर का आकलन किया जाता है। मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के मामले में निर्धारित अध्ययन केन्द्रों का निरिक्षण किया जाएगा। निरीक्षण संस्था की सहमति के अधीन नहीं होगा, बल्कि निरीक्षण कराने के लिए क्षेत्रीय समिति के निर्णय को संस्था को इस निर्देश के साथ सूचित किया जाएगा कि निरीक्षण सूचना के समय से अड़तालीस घंटे पूरे होने पर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा तुरंत किया जाएगा। संस्था को ऑनलाइन निरीक्षण के समय निरीक्षण दल को अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित मानक संचालन प्रक्रिया में निर्धारित अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगेः

बशर्ते कि क्षेत्रीय समिति अपने द्वारा अनुमोदित किए जाने वाले मामलों के लिए आवेदन की प्राप्ति के क्रमबद्ध रूप में सख्ती से ऐसे निरीक्षण आयोजित करेगीः

इसके अतिरिक्त निरीक्षण के लिए आने वाले दल के सदस्यों का चयन राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित विशेषज्ञों के पैनल में से यादृच्छिक रूप से ऑनलाइन किया जाएगा और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की निरीक्षण टीम नीति के अनुसार किया जाएगा।"

(vi) उप–विनियम (8) के स्थान पर निम्नलिखित उप–विनियम रखा जाएगा, अर्थातः–

"(8) विशेषज्ञों के दल द्वारा किसी संस्थान में आभासी निरीक्षण के समय, संबंधित संस्थान निरीक्षण की व्यवस्था इस तरह से करेगा कि सभी महत्वपूर्ण ढांचागत और निर्देशात्मक सुविधाएं उचित रूप से ऑनलाइन प्रस्तुत की जा सकें। निरीक्षण टीम उसी दिन अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देंगे और प्रस्तुत करेंगेः

बशर्ते कि ऑनलाइन निरीक्षण स्पष्ट रूप से भवन, उसके आसपास, सुगम मार्ग और कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, संसाधन कक्ष, बहुउद्देशीय हॉल, पुस्तकालय और अन्य सुविधाओं सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के बाहरी दृश्य को स्थापित करना होगा। ऑनलाइन निरीक्षण निरंतर तरीके से किया जाएगाः

इसके अतिरिक्त नए पाठ्यक्रमों के लिए आभासी निरीक्षण या मौजूदा पाठ्यक्रम के छात्र प्रवेश संख्या में वृद्धि के समय, निरीक्षण दल मौजूदा मान्यता प्राप्त अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रमों के लिए सुविधाओं का सत्यापन करेगी और मौजूदा पाठ्यक्रमों के लिए नियमों और मानदंडों और मानकों की पूर्ति और रखरखाव का पता भी लगाएगी।

(vii) उप–विनियम (9) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(9) ऑनलाइन निरीक्षण दल के वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ आवेदन और रिपोर्ट पर संबंधित क्षेत्रीय समिति द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के सात दिनों के भीतर उचित निर्णय के लिए विचार किया जाएगा।"

(viii) उप–विनियम (17) के स्थान पर निम्नलिखित उप–विनियम रखा जाएगा, अर्थातः–

"(17) यदि क्षेत्रीय समिति, निरीक्षण दल की रिपोर्ट और रिकॉर्ड पर अन्य तथ्यों पर अधिकृत रूप से विचार करने के बाद, यह राय बनाती है कि संस्थान पाठ्यक्रम शुरू करने या संचालित करने या प्रवेश संख्या में वृद्धि के लिए आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है, तो राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद अधिनियम, 1993 की धारा 14 (3) (ख) या धारा 15 (3) (ख) के तहत मान्यता से इन्कार करने का आदेश पारित करने से पहले अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन प्रतिनिधित्व करने का एक उचित अवसर दिया जाएगा।

धारा 14 या धारा 15 के तहत किए गए आदेश से असन्तुष्ट कोई भी व्यक्ति राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद अधिनियम, 1993 की धारा 18 के तहत परिषद को ऑनलाइन अपील कर सकता है जैसा कि निर्धारित है।

(ix) उप–विनियम (18) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(18) संस्थानों के निरीक्षण की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद और संबंधित संस्थान तक अभिगम को सीमित करते हुए निरीक्षण दल के विशेषज्ञों के नाम क्षेत्रीय समिति की अधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे।"

7. मूल विनियमों में विनियम 8 में,–

(i) उप–विनियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(1) संस्थान बहु–विषयक वातावरण में एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम संचालित करेंगे।"

(ii) उप–विनियम (5) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(5) संस्था या सोसायटी शपथ आयुक्त या नोटरी पब्लिक द्वारा विधिवत सत्यापित एक सौ रुपये के स्टांप पेपर एक हलफनामा अपलोड करेगी, जिसमें खसरा नंबर, गांव, जिला, राज्य, अधिग्रहण वाले कुल क्षेत्र सहित भूमि का सटीक स्थान बताया जाएगा और शैक्षिक उद्देश्यों और अधिग्रहण के तरीके के लिए भूमि का उपयोग करने के लिए सक्षम प्राधिकारी की अनुमति बतानी होगी। सरकारी संस्थानों के मामले में, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता द्वारा शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाएगा। शपथ पत्र के साथ भूमि स्वामित्व या पंजीकरण प्राधिकारी से पट्टे के दस्तावेजों की प्रमाणित प्रति तथा शैक्षिक उद्देश्यों से भूमि का उपयोग करने के लिए सक्षम प्राधिकारी की अनुमति भी साथ होनी चाहिए तथा विनियम 5 के उप–विनियम (4) में निहित प्रावधान के अनुसार अनुमोदित भवन योजना के दस्तावेज भी प्रस्तुत किए जाएं।"

(iii) उप–विनियम (7) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(7) निरीक्षण के समय संस्था का भवन स्थायी ढाँचे के रूप में संस्था के अधिग्रहण वाली भूमि पर सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त तथा विहित सभी आवश्यकताओं को पूरा करने वाला होना चाहिए। संस्था ऑनलाइन निरीक्षण के समय निरीक्षण दल को सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी मूल पूर्णता प्रमाण पत्र, भवन निर्माण एवं निर्मित क्षेत्र के पूर्ण होने के प्रमाण में स्वीकृत भवन योजना एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करेगी। संस्थान में अस्थायी संरचनाओं की अनुमति नहीं दी जाएगी, भले ही वह निर्धारित निर्मित क्षेत्र के अतिरिक्त हो।"

(iv) उप–विनियम (9) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(9) परिसर के परिवर्तन के मामले में, संबंधित क्षेत्रीय समिति का पूर्वानुमोदन आवश्यक होगा, जो नई साइट पर संस्था के उचित निरीक्षण के बाद दिया जा सकता है। परिसर के परिवर्तन के लिए आवेदन, प्रसंस्करण शुल्क और अन्य प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ निर्दिष्ट प्रारूप में, संस्थान द्वारा परिसर के परिर्वतन के पूर्व अनुमोदन के लिए क्षेत्रीय कार्यालय को ऑनलाइन अपलोड किया जाएगा। उस साइट में परिर्वतन की अनुमति दी जा सकती है, यदि प्रारंभिक रूप से आवेदन किया जाता है, तो परिषद के निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार संस्थान की स्थापना के लिए पात्र होना चाहिए। इसके बाद परिवर्तन की सूचना वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी।"

(v) उप–विनियम (12) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–विनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः–

"(12) जब कभी भी आवश्यक हो, तो परिषद या उसके अधिकृत प्रतिनिधियों को संस्थान सूचना और दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध कराएगा और किसी भी आवश्यक दस्तावेज को प्रस्तुत करने या दिखाने में विफलता को मान्यता की शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा।"

केसांग वाई. शेरपा, सदस्य सचिव

[विज्ञापन III/4/असा./60/2022-23]

NATIIONAL COUNCIL FOR TEACHER EDUCATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th May, 2022

F. No NCTE-Regl012/13/2021- Reg. Sec.-HQ.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 32 of the National Council for Teacher Education Act, 1993 (73 of 1993), the National Council for Teacher Education hereby makes the following amendments further to amend the National Council for Teacher Education (Recognition Norms and Procedure) Regulations, 2014, namely:—

1. **Short title and commencement.—**(1)These regulations may be called the National Council for Teacher Education (Recognition Norms and Procedure) Amendment Regulations, 2022.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the National Council for Teacher Education (Recognition Norms and Procedure) Regulations, 2014, (hereinafter referred to as the said regulations), in regulation 2, for clause (b), the following clause shall be substituted, namely:-

"(b) composite institutions" means a duly recognised higher education institution offering undergraduate or postgraduate programmes of study in the field of liberal arts or humanities or social sciences or sciences or commerce, as the case may be, at the time of applying for recognition of teacher education programmes;"

3. In the Principal regulations, in regulation 3,-

(i) for clause (a), the following clause shall be substituted, namely:-

"(a) recognition for commencement of new teacher education programmes which shall be offered in multi-disciplinary institutions;"

(ii) after clause (e), the following clause shall be inserted, namely:-

"(f) standalone Government colleges conducting Bachelor of Education, desirous of offering Integrated Teacher Education Programme must do so in collaboration with nearby multidisciplinary Government Higher Education Institutions, which are affiliated to the same university."

4. In the Principal regulations, in regulation 5,-

(i) sub-regulation (2) shall be omitted;

(ii) for sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(3) The application shall be submitted online electronically on National Council for Teacher Education portal alongwith the processing fee, as applicable, and scanned copies of required documents including no objection certificate issued by the concerned affiliating body, original registered land document and the document indicating that the society or institution applying for the programme possesses land on the date of application issued by competent authority".

(iii) sub-regulation (4) shall be omitted;

(iv) for sub-regulation (5), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(5) Duly completed online application in all respects should be submitted to the Regional Committee concerned between first day of March to thirty first day of May of the preceding year from the academic session for which recognition is sought:

Provided that the aforesaid period shall not be applicable for submission of application to innovative programmes of teacher education or pilots undertaken by the National Council for Teacher Education".

5. In the Principal regulations, for regulation 6, the following regulation shall be substituted, namely:-

"6. Processing fees.-The processing fee as prescribed under rule 9 of the National Council for Teacher Education Rules, 1997, shall be paid by the applicant, as applicable, online through the designated banks for processing the application for grant of recognition to an institution to conduct a teacher education programme or addition to programme or intake in the existing programme."

6. In the Principal regulations, in regulation 7,-

(i) for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(2) The application shall be summarily rejected on failure to deposit the application fee, as applicable, as prescribed under rule 9 of the National Council for Teacher Education Rules, 1997 on or before the first date of submission of online application."

(ii) for sub-regulation (4), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(4) A communication through online or email shall be sent by the office of Regional Committee to the State Government or the Union territory administration concerned within seven days from the receipt of application, in chronological order of uploading the online application on the National Council for Teacher Education portal to furnish its recommendations or comments."

(iii) for sub-regulation (5), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(5) On receipt of the communication, the State Government or the Union territory administration concerned shall furnish its recommendations or comments to the Regional Committee concerned within fifteen days from the date of issue of the letter, as the case may be. In case, the State Government or Union territory administration is not in favour of recognition, it shall provide detailed reasons or grounds thereof with necessary statistics, which shall be taken into consideration by the Regional Committee while disposing of the application."

(iv) for sub-regulation (6), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(6) If the recommendations or comments are not received within the prescribed period, the Regional Committee shall send a reminder providing further time of seven days to furnish their recommendations or comments. In case no reply is received within prescribed period the Regional Committee shall process and decide the case on merits. Processing of the application by the Regional Committee shall not be deferred on account of non-receipt of recommendations or comments."

(v) for sub-regulation (7), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(7) After consideration of the recommendations or comments, or suo-moto as prescribed under sub-regulation (6) of regulation 7, the Regional Committee concerned shall decide that institution shall be inspected through virtual mode by a team of experts called visiting team as per visiting team policy approved by the Chairperson, National Council for Teacher Education with a view to assess the level of preparedness of the institution to commence the course. In case of open and distance learning programmes, sampled study centres shall be inspected. Inspection shall not be subject to the consent of the institution, rather the decision of the Regional Committee to cause the inspection shall be communicated to the institution with the direction that the inspection shall be caused immediately on completion of forty eight hours from the time of communication by the Regional Office. The institution shall be required to present the requisite documents as prescribed in the standard operating procedure approved by the Chairperson, National Council for Teacher Education, to the Inspection Team at the time of virtual inspection:

Provided that the Regional Committee shall organise such inspections strictly in chronological order of the receipt of application for the cases to be approved by it:

Provided further that the members of the visiting team for inspection shall be randomly selected online out of panel of experts approved by the Chairperson, National Council for Teacher Education and in accordance with the visiting team policy of the National Council for Teacher Education."

(vi) for sub-regulation (8), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(8) At the time of virtual inspection by the team of experts to an institution, the institution concerned shall arrange for inspection in a manner that all important infrastructural and instructional facilities are presented properly online. The inspection teams shall finalise and submit their reports on the same day:

Provided that the virtual inspection should clearly establish the outer view of the building, its surroundings, access road and important infrastructure including classrooms, labs, resource rooms, multipurpose hall, library and others. The virtual inspection shall be done in a continuous manner:

Provided further that at the time of virtual inspection for new courses or increase in intake of the existing course, the visiting team shall verify the facilities for existing recognised teacher education courses and

ascertain the fulfilment and maintenance of regulations and norms and standards for the existing courses as well."

(vii) for sub-regulation (9), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(9) The application and the report along with the video recordings of the virtual inspection team shall be considered by the Regional Committee concerned for appropriate decision within seven days of submission of the report."

(viii) for sub-regulation (17), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(17) If Regional Committee, after consideration of the report of the visiting team and other facts on record, is of the opinion that the institution does not fulfil the requirements for starting or conducting the course or for increase in intake, it shall provide a reasonable opportunity for making an online representation, as per standard operating procedure approved by the Chairperson, National Council for Teacher Education before passing an order refusing recognition under section 14 (3) (b) or section 15 (3) (b) of the National Council for Teacher Education Act, 1993.

Any person aggrieved by an order made under section 14 or section 15 may prefer an online appeal to the Council under section 18 of the National Council for Teacher Education Act, 1993 as prescribed".

(ix) for sub-regulation (18), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(18) The reports of inspection of the institutions along with the names of the visiting team experts shall be made available on the official website of the Regional Committee after the same have been considered and by limiting the access to the institution concerned."

7. In the Principal regulations, in regulations 8,-

(i) for sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(1) The Institutions shall offer Integrated Teacher Education programmes in multi-disciplinary environment."

(ii) for sub-regulation (5), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(5) The institution or society shall upload an affidavit on Rupees one hundred stamp paper duly attested, by the Oath Commissioner or Notary Public stating the precise location of the land including khasra number, village, district, state, the total area in possession and the permission of the competent authority to use the land for educational purposes and mode of possession. In case of Government institutions, the affidavit shall be furnished by the authorised signatory. The affidavit shall be accompanied with the certified copy of land ownership or lease documents with the registering authority and the permission of the competent authority to use the land for educational purposes including approved building plan as per provision contained in sub-regulation (4) of regulation 5."

(iii) for sub-regulation (7), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(7) At the time of inspection, the building of the institution shall be complete in the form of a permanent structure on the land possessed by the institution, equipped with all necessary amenities and fulfilling all such requirements as prescribed. The institution shall present the original completion certificate issued by the competent authority, approved building plan in proof of the completion of building and built up area and other documents to the visiting team at the time of virtual inspection. Temporary structures shall not be allowed in the institution, even if it is in addition to the prescribed built up area."

(iv) for sub-regulation (9), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(9) In case of change of premises, prior approval of the Regional Committee concerned shall be necessary, which may be accorded after due inspection of the institution at the new site. Application for change of premises, in the specified format alongwith the processing fee and other relevant documents shall be uploaded by the institution online to the Regional Office for prior approval of change of premises. The

change may be permitted to a site which, if applied initially, would have qualified for establishment of an institution as per specified norms of the Council. The change shall be displayed on the website thereafter".

(v) for sub-regulation (12), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(12) The institution shall make the information and documents available online to the Council or its authorised representatives as and when required by them and failure to produce or show any of the required documents, shall be treated as a breach of the conditions of the recognition."

KESANG Y. SHERPA, Member Secy.

[ADVT.-III/4/Exty./60/2022-23]

Note: The Principal regulations were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated the 1st December, 2014, vide notification number F.51-1/2014/NCTE (N&S), dated the 28th November, 2014 and were last amended vide notification number F.NCTE-Regl011/80/2018-MS (Regulation)-HQ, dated the 26th October, 2021.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

MANOJ KUMAR VERMA Digitally signed by MANOJ KUMAR VERMA Date: 2022.05.05 22:13:51 +05'30'